RNI N.- BIHBIL/2022/88070
राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र
www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः125, बुधवार , 14 मई 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | 9471060219, 9470050309 | www.bordernewsmirror@gmail.com

सीबीएसई में बेहतरीन परिणाम से स्कूल में हर्ष का माहौल 03

बीपीएससी से पास हुए टीआरई 3 के शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया 04

सुधीर बाबू का जटाधारा से फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज सोनाक्षी सिन्हा... 07

निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश...महाविनाश

आदमपुर एयरबेस से पीएम मोदी का कड़ा संदेश, जवानों को किया संबोधित

पीएम बोले-हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार सुबह पंजाब के आदमपुर एयरबेस पहुंचे जहां उन्होंने जवानों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा, आपने भारतीयों का सीना चौड़ा कर दिया; जब भारत माता की जय बोलते हैं तो दुश्मनों के कलेजे कांप जाते हैं। प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया और कहा कि भारत में निर्दोष लोगों का खून बहाने का एक ही अंजाम होगा विनाश और महाविनाश। पीएम मोदी ने कहा कि आपने पाकिस्तानी फौज को भी बता दिया कि पाकिस्तान में ऐसा कोई ठिकाना नहीं है जहां बैठकर आतंकवादी चैन की सांस ले सकेंगे। हम घर में घुसकर मारेंगे और बचने का एक मौका तक नहीं देंगे। और हमारे ड्रोन्स हमारी मिसाइलें उनके बारे में तो सोचकर पाकिस्तान को कई दिन तक नींद नहीं आएगी। कौशल दिखलाया चालों में उड़ गया भयानक भावों में निर्विक गया ढालों में सपरट दौड़ा करवालों में।

सेना ने जो किया,अभूतपूर्व है,अकल्पनीय है और अद्भुत है

प्रधानमंत्री ने जवानों से कहा कि देश को एकता के सूत्र में बांधा है और आपने भारत की सीमाओं की रक्षा की है, भारत के स्वाभिमान को नई ऊंचाई दी है। आपने वो किया है अभूतपूर्व है अकल्पनीय है और अद्भुत है, हमारी एयरफोर्स ने पाकिस्तान में इतना डीप आतंक को अड्डों को टारगेट किया सिर्फ 20-25 मिनट के भीतर सीमा पार लक्ष्यों को भेदना बिल्कुल पिन प्वाइंट टारगेट को हिट करना ये सिर्फ एक मॉडर्न टेक्नॉलजी से लैस प्रोफेशनल फोर्स ही कर सकती है।

सावधानी के साथ पाकिस्तान को जवाब दिया

पीएम मोदी ने कहा कि दुश्मन को पता ही नहीं चला कि कब उसका सीना छलनी हो गया, हमारा लक्ष्य पाकिस्तान के अंदर टेटर हेडक्वॉर्टर को हिट करने का था आतंकियों को हिट करने का था लेकिन पाकिस्तान ने अपने यात्री विमानों को सामने करके जो साजिश रची मैं कल्पना कर सकता हूं कि वो पल कितना कठिन होगा जब नागरिक एयरक्रॉफ्ट दिख रहा है। मुझे गर्व है कि आपने बहुत सावधानी से बहुत सतर्कता से नागरिक एयरक्रॉफ्ट को नुकसान किए बिना कमाल करके दिखाया उसका जवाब दे दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि मैं गर्व के साथ कह सकता हूं कि आप सभी अपने लक्ष्यों पर बिल्कुल खरे उतरे हैं। पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों और उनके एयरबेस ही तबाह नहीं हुए बल्कि उनके नापाक इरादे और उनका दुस्साहस दोनों की हार हुई। आपको ऑपरेशन सिंदूर से बौखलाए दुश्मन ने इस एयरबेस के साथ साथ हमारे अनेक एयरबेस पर हमला करने की कई बार कोशिश की बार बार हमें टारगेट किया, लेकिन पाक के नापाक इरादे हर बार नाकाम हो गए।

सीबीएसई 10वीं-12वीं का रिजल्ट जारी, लड़कियां आगे

- 10वीं में 93.60 फीसदी, 12वीं में 88.39 फीसदी पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई यानी सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन ने मंगलवार को 10वीं और 12वीं का रिजल्ट जारी कर दिया है। 10वीं में 93.60 फीसदी और 12वीं में 88.39 फीसदी स्टूडेंट्स पास हुए। इस साल 10वीं और 12वीं के करीब 44 लाख स्टूडेंट्स ने बोर्ड एग्जाम्स दिए थे। रिजल्ट में लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से बेहतर रहा है। 10वीं लड़कियों का रिजल्ट 95.0 फीसदी, जबकि लड़कों का रिजल्ट 92.63 फीसदी रहा है। लड़कियों का रिजल्ट लड़कों से 2.37 फीसदी बेहतर रहा है। 12वीं में लड़कियों का रिजल्ट 91.64 फीसदी और लड़कों का रिजल्ट 85.70 फीसदी रहा है। यानी दोनों क्लासेज में लड़कियों ने बाजी मारी है। सीबीएसई बोर्ड मेरिट लिस्ट जारी नहीं करता है। इसके अलावा रिजल्ट में कोई टॉपर भी घोषित नहीं किया जाता है। बोर्ड सभी स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों को ये निर्देश भी देता है कि किसी भी बच्चे को स्कूल या जिले का टॉपर घोषित न करें। रिजल्ट घोषित होने के बाद स्टूडेंट्स अपनी मार्कशीट ऑनलाइन देख सकते हैं।

घाटी एनकाउंटर में लश्कर के तीन हुए आतंकी ढेर

- जम्मू-कश्मीर के शोपियां में सेना का बड़ा ऐक्शन

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में सेना ने आतंकियों के खिलाफ मुठभेड़ में लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर समेत तीन आतंकियों को मार गिराया। बताया गया है कि आतंकियों की तरफ से फायरिंग किए जाने के बाद सेना ने जवाबी कार्रवाई की। इलाके में सर्च ऑपरेशन अभी भी चल रहा है। अभी इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है कि इन आतंकियों का पहलगाम हमले से कनेक्शन है या नहीं। अधिकारियों के मुताबिक, दक्षिण कश्मीर के शुकरू केलर इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की पुख्ता जानकारी मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में घेराबंदी कर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मुठभेड़ कुलगाम जिले से शुरू हुई थी। सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई। स्थानीय रिपोर्ट है कि सेना के जवाबी हमले में लश्कर के कमांडर समेत तीन आतंकी ढेर कर दिए गए हैं। सेना की तरफ से बताया गया है कि सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। जंगलों में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

महिलाओं का रेप, 9 दोषियों को हुआ आजीवन कारावास

- वीडियो बनाया, 2 साल तक ब्लैकमेल कर रेप किया

तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न केस में फैसला

कोयंबटूर (एजेंसी)। तमिलनाडु के पोल्लाची यौन उत्पीड़न मामले में कोयंबटूर महिला अदालत ने मंगलवार को 9 लोगों को मौत तक आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने आज सुबह ही सभी को दोषी ठहराया था। जज आर नंदिनी देवी ने इन्हें गैंगरेप और बार-बार रेप का दोषी पाया। कोर्ट ने पीड़ित महिलाओं को कुल 85 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। 9 दोषियों ने 2016 से 2018 के दौरान कई महिलाओं का यौन शोषण किया था। पीड़ितों में कॉलेज की छात्राएं और शादीशुदा महिलाएं थीं। दोषियों ने यौन शोषण के वीडियो बनाए थे। उसके जरिए ब्लैकमेल करके महिलाओं के साथ कई बार रेप किया और पैसे भी मांगे। आरोपियों पर 50 से ज्यादा महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने का शक था, लेकिन उनमें से केवल 8 ने ही उनके खिलाफ गवाही दी थी। दोषियों में सबरीराजन उर्फ रिशवंत (32 साल), थिरुनावुकारसु (34

साल), टी वसंत कुमार (30 साल), एम सतीश (33 साल, आर मणि उर्फ मणिवन्नन, पी बाबू (33 साल), हारोन पॉल (32 साल), अरुलानंथम (39 साल) और अरुण कुमार (33 साल) हैं। चलती कार में छात्रा से रेप के बाद मामला सामने आया मामला 24 फरवरी, 2019 को पहली बार तब सामने आया जब 19 साल की एक छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि 12 फरवरी को पोल्लाची के पास चलती कार में चार लोगों ने उसका रेप किया। उन्होंने इसका वीडियो बनाया।

जैसे को तैसा...

अब टैरिफ से ही मिलेगा टैरिफ वाला जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने अमेरिका के कुछ उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा है। यह प्रस्ताव विश्व व्यापार संगठन के तहत रखा गया है। अमेरिका ने स्टील और एल्यूमीनियम पर जो शुल्क लगाए हैं, भारत उसका जवाब देना चाहता है। भारत का कहना है कि अमेरिका ने सुरक्षा के नाम पर यह शुल्क लगाया है। भारत ने एजेंसी को बताया कि अमेरिका के इस कदम से भारत से होने वाले 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ेगा। भारत ने कहा कि इससे अमेरिका में आने वाले सामान पर 1.91 अरब डॉलर का शुल्क लगेगा। प्रस्ताव के अनुसार, भारत अमेरिका से आने वाले कुछ खास उत्पादों पर शुल्क बढ़ाएगा। इसका मतलब है कि उन उत्पादों पर अब ज्यादा टैक्स लगेगा। भारत ने कहा कि वह अपने अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए शुल्क लगाने का अधिकार रखता है। भारत ने यह भी कहा कि वह इस बारे में 30 दिनों के बाद फैसला लेगा। 8 मार्च 2018 को अमेरिका ने कुछ स्टील और एल्यूमीनियम उत्पादों पर सुरक्षा शुल्क लगाया था। उन्होंने स्टील पर 25 फीसदी शुल्क लगाया।

भारत के खिलाफ फिर षडयंत्र रच रहे मोहम्मद यूनुस

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने एक बार फिर पूर्वोत्तर राज्यों को लेकर अपने जहरीले और खतरनाक मंसूबों को उजागर किया है। उन्होंने इस बार सुझाव दिया है कि भारत के पूर्वोत्तर के सात राज्य स्वतंत्र देश जैसे है, जिनके साथ क्षेत्रीय और एकीकृत आर्थिक विकास की रणनीति बनाई जा सकती है।

पूर्वोत्तर राज्यों पर पका रहे हैं एक नया ख्याली पुलाव

सोमवार को यूनुस ने नेपाली संसद के प्रतिनिधि सभा की उपाध्यक्ष इंदिरा राणा के साथ एक बैठक की थी। इस बैठक के बारे में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में उनकी तरफ से कहा गया है कि बांग्लादेश, नेपाल, भूटान और भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों के बीच एक एकीकृत आर्थिक रणनीति बनाई जानी चाहिए। बता दें कि कुछ महीने पहले ही मोहम्मद यूनुस ने पूर्वोत्तर के इस क्षेत्र को भूमि से घिरा हुआ कहा था और बांग्लादेश को इस क्षेत्र का अभिभावक कहा था। एकीकृत योजना का आह्वान किया है।

पंजाब में जहरीली शराब से अब तक 17 लोगों की मौत

8 गंभीर,बोल भी नहीं पा रहे, डीएसपी-एसएचओ सस्पेंड, 9 लोग गिरफ्तार

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में अमृतसर जिले के मजीठा क्षेत्र में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या 17 हो गई है। जबकि, 8 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। इनका अमृतसर के सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बीमारों में 4 की हालत इतनी गंभीर है कि वे बोलने की स्थिति में भी नहीं हैं। मृतकों में भंगाली कलां, मराडी कलां, पातालपुरी, थ्रिएवाल, तलवंडी खुम्मन और करनाला के लोग शामिल हैं। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। पुलिस ने जहरीली शराब बेचने के आरोप में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनसे पूछताछ की जा रही है कि जहरीली शराब कहां से और कैसे आई। इसके अलावा मजीठा थाने के डीएसपी अवतार सिंह और एसएचओ अमोलक सिंह को सस्पेंड कर दिया गया है। वहीं, दोपहर को सीएम मान भी मजीठा पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए मुआवजा देने की घोषणा की। मामले में सीएम भगवंत मान ने कहा है कि यह दुखदायी और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। जहरीली शराब पीने से अब तक 17 के करीब लोगों की मौत हुई है।

पहली बार 33 हफ्ते की प्रेग्नेंट को मिली अबॉर्शन की इजाजत

राजकोट (एजेंसी)। गुजरात के राजकोट में एक 13 वर्षीय लड़की 33 सप्ताह की गर्भवती है। खेलने-कूदने की उम्र की एक बच्ची को अस्पतालों, पुलिस थानों और अदालतों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। बच्ची के परिवार ने गर्भपात के लिए गुजरात हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। गुजरात हाईकोर्ट ने सोमवार को गर्भपात की मंजूरी दी है। कोर्ट ने चीफ मेडिकल ऑफीसर की देखरेख में नाबालिग का गर्भपात कराने का निर्देश दिया है। यह देश का पहला मामला है, जब कोर्ट ने सबसे ज्यादा हफ्ते के गर्भपात की अनुमति दी है।

जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं

विदेश मंत्रालय बोला-भारत-पाकिस्तान आपस में सुलझाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंन्स में कहा कि कोई भी तीसरा देश कश्मीक के मामले में दखल ना दे। एमईए ने कहा कि लंबे समय से हमारा रुख यह है कि कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए; यह रुख नहीं बदला है। भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर के बाद भारत ने दो टूक लहजे में पड़ोसी देश पाकिस्तान को कहा है कि पहले उसे पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) खाली करना होगा, तभी द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो सकेगी और सभी मामले हल हो सकेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंन्स में कहा कि लंबे समय से हमारा रुख यही है कि कश्मीर मुद्दे को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय रूप से सुलझाया जाना चाहिए; यह रुख नहीं बदला है। उन्होंने साफ लहजे में कहा कि कश्मीर मुद्दे पर तीसरा पक्ष हमें मंजूर नहीं है। विदेश विभाग ने साफ किया कि जम्मू-कश्मीर पर तीसरे पक्ष का दखल मंजूर नहीं है। इस मुद्दे को भारत-पाकिस्तान आपस में मिलकर सुलझाएंगे।

भारतीय पायलटों को मारना चाहते थे पाकिस्तानी एयरफोर्स के चीफ

भारत के जांबाजों ने चटाई धूल, वॉर रूम के अंदर की सामने आई पूरी कहानी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान हर हाल में भारतीय पायलटों को मारना या बंदी बनाना चाहता था, ताकि फिर से एक बार अभिनंदन जैसा वाकया हो। खुलासा हुआ है कि इस बार जब भारत और पाकिस्तान के लड़ाकू विमानों के बीच जब जंग चल रही थी उस वक्त पाकिस्तानी एयरफोर्स के प्रमुख बार भारतीय पायलटों को मारने के लिए चिल्ला रहे थे। द न्यूज इंटरनेशनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तानी एयरफोर्स के प्रमुख का फोकस हर हाल में ज्यादा से ज्यादा संख्या में भारतीय पायलटों को मारने पर थी। वो बार बार वॉर रूम में चिल्ला रहे थे कि उन्हें मार डालो, उन्हें मार डालो, उन्हें पाकिस्तान में एक इंच भी घुसने ना दो। द न्यूज इंटरनेशनल ने बताया है कि एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू 15 स्क्वाड्रन के पायलटों से सीधे बात कर रहे थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि उस वक्त वो एक खुफिया कमांड सेंटर में मौजूद थे। दरअसल पाकिस्तान हर हाल में भारत के पायलटों को मारना चाहता था, ताकि वो भारत को शर्मिंदा कर सके और पूरी दुनिया में अपनी बहादुरी के ढोल पीट सके। लेकिन हकीकत ये है कि आज ही पाकिस्तान की सेना ने कबूल किया है कि भारत के हमले में पाकिस्तान के 11 सैनिक मारे गये हैं और 78 से ज्यादा घायल हुए हैं। जिनमें 5 जवान पाकिस्तानी वायुसेना के हैं। माना जा रहा है कि भारत के हमलों में पाकिस्तानी एयरफोर्स के और भी कई जवान मारे गये हैं।

पाकिस्तान एयरफोर्स को भारत ने दिया बहुत बड़ा झटका

आपको बता दें कि भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान एक संघर्ष में फंस गये। भारत ने आतंकी हमले के लिए पाकिस्तान की सेना को जिम्मेदार ठहराया है। पाकिस्तान दावा करता है कि भारत ने पाकिस्तान में हमला करने के लिए 80 फाइटर जेट्स को भेजा था, जिनमें 32 राफेल, ब्रह्मोस मिसाइलों से लैस 30 मिग-30 और मिग फाइटर जेट्स थे। हालांकि पाकिस्तान के दावों की यहीं पर हवा निकल जाती है, क्योंकि भारत के पास 36 राफेल ही हैं। पाकिस्तान ने कहा है कि भारतीय फाइटर जेट्स के खिलाफ पाकिस्तानी एयरफोर्स ने 40 फाइटर जेट्स को भेजा था। आपको बता दें कि ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी आतंकवादियों के मारे जाने के बाद पाकिस्तान ने भी भारत पर हमला करने की कोशिश करते हुए भारत के नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश की। पाकिस्तान किसी भी तरह से खुद को बेइज्जत होने से बचाना चाह रहा था और उसकी कोशिश किसी भी हाल में किसी ना किसी भारतीय मिलिट्री ठिकाने को नष्ट करना था, ताकि वो अपनी जनता के बीच खुद को हीरो साबित कर सके। लेकिन भारत ने साफ कर दिया था कि वो इस बार पाकिस्तान की सेना को 'इज्जत बचाने' का मौका नहीं देगा। लिहाजा जब पाकिस्तान ने भारतीय सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की कोशिश शुरू की, उसके बाद भारत ने पाकिस्तान के एयरबेस को निशाना बनाना शुरू किया। भारत ने पाकिस्तान के शोरकोट में रफीकी एयरबेस, रावलपिंडी में नूर खान एयरबेस, चकवाल में मुरीद, रहीमयार खान, सुक्कुर और चुनियन के साथ-साथ पसरूर और सियालकोट में रडार साइटों को निशाना बनाया।

संक्षिप्त समाचार

आज होगा मॉडल अस्पताल का उद्घाटन, हुआ बिजली का ट्रायल

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। सदर अस्पताल में बने मॉडल अस्पताल का उद्घाटन 14 मई को स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय करेंगे। इसकी जानकारी अस्पताल अधीक्षक डॉ बीएस झा ने दी। उन्होंने बताया कि उद्घाटन के बाद अस्पताल हैंडओवर हो जाने पर सदर अस्पताल उसमें शिफ्ट कर दिया जाएगा। मॉडल अस्पताल में पहले ओपीडी शुरू होगी, उसके बाद आईपीडी और फिर ओटी। सोमवार को अस्पताल में बिजली कनेक्शन का ट्रायल लिया गया। इस दौरान अधीक्षक डॉ बीएस झा और प्रबंधक प्रवीण कुमार ने अस्पताल का निरीक्षण किया। अधीक्षक ने बताया कि पूरा अस्पताल अब मॉडल अस्पताल में शिफ्ट हो जाएगा। निचले तल पर ओपीडी होगी। 16 विभाग की ओपीडी इस अस्पताल में शुरू होगी। ओपीडी के बाहर मरीजों के बैठने की भी व्यवस्था की गई है। पहले तल पर आईपीडी और ओटी रहेगी। निचले तल पर 20 बेड की इमरजेंसी भी रहेगी। अधीक्षक ने बताया कि अस्पताल की ओटी काफी आधुनिक बनी है। यहां मरीजों के इलाज के साथ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के कार्यालय भी शिफ्ट किए जाएंगे।

432 बोतल विदेशी शराब लदी कार पकड़ी गई, दो गिरफ्तार

गया, एजेंसी। शादी-विवाह के सीजन में शराब की तस्करी बढ़ गई है। तस्करों के ज्यादा सक्रिय होने के साथ ही उत्पाद विभाग ने भी जिले भर में कार्रवाई तेज कर दी है। जांच चौकी डोभी पर लगातार दूसरे दिन रविवार की रात अंग्रेजी शराब की बड़ी खेप पकड़ी गई। शराब के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही दूसरी कार्रवाई में आमस में एक बाइक सवार युवक को आठ लीटर विदेशी शराब के साथ दबोचा गया। दोनों मामले में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की गई। लग्जरी कार पर लदी थी 162 लीटर विदेशी शराब उत्पाद सहायक आयुक्त प्रियरंजन ने बताया कि चेकपोस्ट सहित जिले भर में छापेमारी तेज कर दी गयी है। इसी क्रम में समेतिक जांच चौकी,डोभी पर लगातार दूसरे दिन रविवार रात शराब लदी लग्जरी कार पकड़ी गयी। जांच दल ने शक के आधार पर झारखंड की ओर से आ रही कार रुकवायी। जांच में कार के सीटे के नीचे और डिक्की से 432 बोतल विदेशी शराब निकली। 162 लीटर शराब के साथ कार पर सवार दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार युवकों में परैया थाना क्षेत्र के मनझार गांव का सागर कुमार (चालक) और बाराचट्टी थाना क्षेत्र के कुरमावा गांव निवासी राज कुमार को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई में चेकपोस्ट के निरीक्षक रामप्रीति कुमार, प्रभात कुमार झा, एएसआई विक्की कुमार, दिलीप कुमार व विजय कुमार सहित जवान शामिल रहे। बताया कि शनिवार से पहले चेक पोस्ट पर 168 बोतल विदेशी शराब और 92 पीस बीयर की बोतल के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। आमस में शराब ले जा रहे बाइक सवार पकड़ाया सहायक आयुक्त ने बताया कि विभाग की दूसरी टीम ने आमस थाना क्षेत्र के जीटी रोड शेरे विहार होटल के पास एक बाइक सवार को पकड़ा गया। जांच में बाइक सवार के पास से 8.250 लीटर विदेशी शराब निकली। शराब के साथ इमामगंज थाना क्षेत्र के दर्जी बिगहा नगमा के रौशन कुमार को गिरफ्तार किया गया। छापेमारी में एएसआई रंजीत कुमार साह, मो. हाबिल व ओम प्रकाश प्रजापति सहित जवान शामिल रहे।

पूर्णिया में करंट लगने से बच्चे की मौत

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के मोहनपुर थाना क्षेत्र में करंट की चपेट में आने से 10 साल का बच्चा झुलस गया। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक शुभांकर कुमार(10) भौवा प्रबल पंचायत के साधुपुर गांव का रहने वाला था। मृतक के चाचा ने बताया कि भतीजे के साथ गांव के खेत पर जा रहा था। भतीजा उनसे 100 मीटर पीछे था। इस दौरान खेत से होकर गुजरे नंगे तार की चपेट में आ गया।

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर की कमान थाम बिहार का बढ़ाया मान

पूर्णिया, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए नृशंस आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत चल रहे हवाई अभियानों की निगरानी एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती महानिदेशक वायु संचालन (डीजीएओ) द्वारा की जा रही है, जो एक बिहारी अधिकारी हैं। एयर मार्शल भारती पूर्णिया के झुन्नी कलां गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता जीवछलाल यादव कोशी परियोजना के सेवानिवृत्त लेखाकार हैं और उनकी माता उर्मिला देवी का घर श्रीनगर हाता पूर्णिया में है। एयर मार्शल भारती के दो भाई हैं जो पूर्णिया में काम करते हैं। एयर मार्शल भारती ने अपनी स्कूली शिक्षा सैनिक स्कूल तिलैया से प्राप्त की, जहां से वे एनडीए, पुणे गए और जून 1987 में भारतीय वायुसेना के फाइटर स्ट्रीम में शामिल हुए। एयर मार्शल भारती का पेशेवर इतिहास बहुत ही शानदार रहा है, जिसमें उन्होंने पाठ्यक्रम में शीर्ष स्थान प्राप्त किया था और उन्हें स्वॉर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया था। उन्होंने वेलिंगटन में प्रतिष्ठित स्टाफ कोर्स और नई दिल्ली में एनडीसी भी किया। एयर मार्शल भारती ने एक फ्रंटलाइन फाइटर बेस की कमान संभाली और भारत के भीतर और बाहर कई महत्वपूर्ण कार्यभार संभाले। वायु सेना मुख्यालय में डीजीएओ का पदभार संभालने से पहले वे प्रयागराज में सेंट्रल एयर कमांड में सीनियर स्टाफ ऑफिसर (एसएएसओ) के पद पर तैनात थे, जहां उन्होंने हाल ही में आयोजित महाकुंभ का पर्यवेक्षण भी किया था। वर्तमान में चल रहे ऑपरेशन सिंदूर में हवाई ऑपरेशन के वास्तुकार के रूप में उन्होंने योजना बनाने, समन्वय करने और अंततः पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारतीय वायुसेना द्वारा पाकिस्तान के भीतरी इलाकों में मिशनों की योजना बनाने और उन्हें क्रियान्वित करने, जिसमें उनकी सामरिक संपत्तियां भी शामिल हैं, ने न केवल उन्हें तत्काल युद्ध विराम का अनुरोध करने के लिए मजबूर किया, बल्कि इससे पाकिस्तानी प्रतिष्ठानों के मन में लंबे समय तक एक स्थायी भय भी बने रहने की संभावना है। एयर मार्शल एके भारती प्रधानमंत्री की इच्छा के अनुसार वायु सेना की योजना बनाने के मुख्य वास्तुकार रहे हैं, ताकि बर्बर पहलगाम हत्याकांड के लिए पाकिस्तान को दंडित किया जा सके। यह वास्तव में हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। यह जानकारी पूर्णिया के सामाजिक कार्यकर्ता विजय श्रीवास्तव के साथ इंडियन एयर फोर्स के रिटायर्ड ग्रुप कैप्टन विश्वजीत कुमार ने साझा की है।

सितंबर 2023 में एयर मार्शल के पद पर प्रमोट हुए

भारती भारतीय वायु सेना की फ्लाइंग ब्रांच में 1987 में कमीशंड हुए थे। सितंबर 2023 में एयर मार्शल के पद पर प्रमोट हुए। 16 अगस्त 2005 को सुखोई- 30 एमकेआई स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर के तौर पर जिम्मेदारी संभाली थी। इस यूनिट को हाल ही में एयरक्राफ्ट का एडवांस्ड वर्जन मिला था। एयर मार्शल भारती ने इसके वेपन सिस्टम को बनाने और ऑपरेशनल करने में क्रिटिकल रोल निभाया है। एयर मार्शल भारती की लीडरशिप में स्क्वॉड्रन ने एयर फोर्स लेवल एक्सरसाइज गगन शक्ति में हिस्सा लिया था। इसके जरिए एयर डॉमिनेंस फोर्स का कॉन्सेप्ट डिमोंस्ट्रेट किया जाता है। स्क्वॉड्रन को बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए 2006 और 2007 में सराहा गया था। 2006 में यूके रॉयल एयरफोर्स के साथ इंद्रधनुष एक्सरसाइज और 2007 में फ्रांस एयरफोर्स के साथ गरुड़ा एक्सरसाइज की थी। 2008 में भारती को राष्ट्रपति ने वायुसेना मेडल से सम्मानित किया।

3 भाई में सबसे बड़े हैं अवधेश

एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती 3 भाई में सबसे बड़े हैं। एक भाई आरके भारती न्यूरो सर्जन हैं और दूसरे मिथिलेश कुमार एमआर हैं। पिता जीवछलाल कोशी परियोजना के रिटायर्ड लेखाकार हैं, और मां उर्मिला देवी हाउस वाइफ हैं। मां-पिता दोनों शहर के के.हाट थाना क्षेत्र के श्रीनगर हाता में रहते हैं।

चंदवारा से फोरलेन तक सड़क के लिए 11 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। चंदवारा में फेज दो के तहत लिंक रोड बनाने की कवायद तेज हो गई है। इसके लिए भूमि अधिग्रहण की भी आवश्यकता होगी। पुल निर्माण निगम ने मुशहरी अंचल अंतर्गत पांच मौजा को चिह्नित किया है। इन मौजों में करीब 11 एकड़ निजी भूमि का अधग्रिहण किया जाएगा। समाहर्ता की ओर से इसकी स्वीकृति के बाद अब सामाजिक प्रभाव का आकलन किया जाना है। इसके लिए पटना स्थित एक संस्थान का चयन किया गया है। समाहर्ता की ओर से प्रस्ताव तैयार कर सौंपने को कहा गया था। इसके आलोक में सामाजिक प्रभाव के आकलन के दौरान किन-किन बिंदुओं पर फोकस किया जाएगा, इसका पूरा ब्योरा संस्थान की ओर से समाहर्ता को भेज दिया गया है। इस कार्य पर करीब नौ लाख रुपये खर्च होंगे। इस राशि का आवंटन करने का अनुरोध किया गया है। इससे पूर्व पुल निर्माण निगम की ओर से भूमि अधग्रिहण को लेकर जिला भू-अर्जन कार्यालय को अधियाचना सौंपी जा चुकी है। इसपर खर्च होने वाली राशि का अनुमानित प्राक्कलन भी तैयार करने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि इस योजना को चंदवारा में फेज-दो का नाम दिया गया है, जिसके तहत तीन किमी लंबी सड़क का निर्माण होना है। मुशहरी अंचल अंतर्गत मौजा सरैया चक मुस्तफा सिपाहपुर में 0.8630 एकड़, हरपुर में 2.2810 एकड़, दामोदरपुर में 4.4700 एकड़, भगवतीपुर में 3.2898 एकड़ और चकमोहब्बत में 0.9110 एकड़ भूमि का अधिग्रहण होगा। संस्थान की ओर से रिपोर्ट मिलने के बाद अधिग्रहित की जाने वाली भूमि का एमवीआर निर्धारित किया जाएगा। इसी आधार पर रैयतों को मुआवजा भुगतान किया जाएगा।

मौसम : देर रात 60 किमी की रफ्तार से चली आंधी, कई इलाकों में बारिश

पटना, एजेंसी। मध्य बिहार से ट्रफ लाइन गुजरने और उत्तर प्रदेश पर साइक्लोनिक सर्कुलेशन बने रहने की वजह से सोमवार की देर रात मौसम में अचानक बदलाव हो गया।

देखते ही देखते आकाश बादल छा गए और गरजने बरसने लगे। तेज आंधी भी चली लगी। 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चली आंधी से कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। कई इलाकों पेड़ की डाली टूट कर गिर गई। बोरिंग कनाल रोड, अनिसाबाद, पाटलिपुत्र कॉलोनी समेत आसपास इलाकों में बारिश हुई। फुलवारीशरीफ और आसपास बूंदाबांदी हुई पर तेज आंधी चली। मौसमविदों का कहना है कि मंगलवार को भी दक्षिण बिहार के कई जिलों में और उत्तर बिहार में सीमांचल के जिलों में तेज आंधी पानी के गर्जन होने की संभावना है।

हवा में आर्द्रता अधिक रहने से गर्मी ज्यादा

वायुमंडल में आर्द्रता अधिक रहने के कारण गर्मी का एहसास बढ़ गया है। पटना सहित राज्य के अधिकांश हिस्सों में तापमान से पांच से छह डिग्री सेल्सियस अधिक महसूस हो रही है। राज्य में पछुआ हवा चल रही है, इसके बाद भी इस हवा में आर्द्रता अधिक बनी हुई है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार राज्य में लगातार हो रही बारिश के कारण पछुआ हवा में भी आर्द्रता आ गई है और यह लोगों को परेशान कर रही है। 14 मई की शाम से उत्तर-पूर्व भागों में आंधी-पानी का अलर्ट है। मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार पटना सोमवार को पटना का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि हवा में आर्द्रता की मात्रा 66 प्रतिशत दर्ज किया गया।

भागलपुर और पूर्णिया में अगले महीने से चलेंगी पिंक बसें?

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर और पूर्णिया शहर में महिलाओं के लिए विशेष पिंक बसों की शुरुआत अगले महीने यानी जून 2025 से हो जाएगी। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से यह जानकारी दी गई है। बीएसआरटीसी के अधिकारियों की मानें तो पिंक बसों के संचालन को लेकर कागजी कार्यवाही पूरी कर ली गई है। जून महीने के पहले सप्ताह से भागलपुर और पूर्णिया में पिंक बसें दौड़ने लगेंगी। बता दें कि वर्तमान में पिंक बस राज्य के चार शहरों में चलेंगी। इसमें पटना में 10 बसों का परिचालन होगा। इसके अलावा शेष 10 बसों का परिचालन भागलपुर, मुजफ्फरपुर और पूर्णिया में होगा। इन शहरों में चलने के बाद अक्टूबर महीने में 100 नई पिंक बसें चलाई जाएंगी। परिचालन के लिए परमिट का काम शुरू हो गया है। बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के अधिकारियों के अनुसार परमिट देने की प्रक्रिया मई माह तक चलेगी। इसके बाद जून के प्रथम सप्ताह में पिंक बस का परिचालन शुरू कर दिया जाएगा। भागलपुर में तिलकामांझी सरकारी बस स्टैंड, तो पूर्णिया में थाना चौक बस स्टैंड से इन बसों का परिचालन किया जाएगा।

बीएसआरटीसी के आरएम अजिताभ कुमार ने बताया कि पिंक बसें पटना पहुंच गई हैं। जल्द ही इन्हें भागलपुर और पूर्णिया लाया जाएगा। जून के पहले सप्ताह से इन दोनों शहरों में पिंक बसों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

पिंक बस में क्या खास?

पिंक बसों को खास तौर पर महिलाओं और लड़कियों के लिए डिजाइन किया गया है। इनमें महिलाएं एवं छात्राएं ही सफर कर सकेंगी। पिंक बस को शहर के प्रमुख स्थानों पर चलाया जाएगा। संचालन का समय सुबह 8 से रात 8 के बीच होगा। राज्य सरकार ने इन बसों में ड्राइवर और कंडक्टर भी महिलाएं ही रखने का फैसला लिया था। मगर अभी तक बीएसआरटीसी को महिला ड्राइवर हीं मिल पाए हैं।

बच्चों का हेल्थ कार्ड बनाने में बिहार दूसरे स्थान पर

पटना, एजेंसी। बिहार के आंगनबाड़ी केंद्रों में अबतक 26.15फीसदी बच्चों का हेल्थ कार्ड बना। इसके साथ ही बिहार देशभर में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। बिहार से ज्यादा केवल महाराष्ट्र के आंगनबाड़ी केंद्रों में 30.63 फीसदी बच्चों का हेल्थ आईडी कार्ड बना है। बता दें कि दिसंबर तक राज्य के आधे से अधिक आंगनबाड़ी केंद्रों में एक भी बच्चे का कार्ड नहीं बना था। पूरे राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों को मिलाकर 1435 बच्चों का ही हेल्थ आईडी कार्ड बना था। लेकिन दिसंबर से समेकित बाल विकास सेवाएं (आईसीडीएस) निदेशालय ने विशेष अभियान शुरू किया। इसके बाद हर महीने हजारों बच्चों का हेल्थ आईडी कार्ड बनने लगा। पांच माह यानी दिसंबर से अप्रैल तक 29 लाख आठ हजार 420 यानी 26.15 फीसदी बच्चों का हेल्थ आईडी कार्ड बन चुका है। वर्तमान में 95 लाख के लगभग राज्यभर के आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चें पंजीकृत हैं। जिसका हेल्थ आईडी कार्ड बनता है, उनके स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी का रिकॉर्ड ऑनलाइन रखा जाता है। ऐसे में अगर किसी बच्चे की तबीयत खराब होती है तो ऑनलाइन रिकॉर्ड के आधार पर उसका तुरंत इलाज शुरू हो जाएगा।

जान से मारने की दी थी धमकी

घर में घुसकर दुष्कर्म की कोशिश: पीड़िता के ससुर ने पिटाई के बाद युवक को पुलिस को सौंपा

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर में घर में घुसकर एक महिला से दुष्कर्म की कोशिश की गई। पीड़िता ने शोर मचाया तो ससुर दौड़ते हुए आएं और युवक को पकड़ लिया। पड़ोसियों के साथ उसकी पिटाई की, फिर पुलिस को सौंप दिया।

पीड़िता की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है। पीड़िता ने बताया, 3 दिन पहले आरोपी इकराम ने मुझे धमकी दी थी कि अगर मैं उससे बात नहीं करूंगी तो घर में घुसकर जान से मार देंगे। मेरे पति घर से रविवार की रात में कहकर निकले थे कि खेत पर जा रहा हूं। सुबह खाना पहुंचा देना। पति के जाने के बाद मैं सोने चली गई थी। तभी इकराम मेरे घर में घुस आया। मेरे ससुर समय पर नहीं आते तो मेरे साथ गलत हो जाता। मामला नारायणपुर प्रखंड के भवानीपुर थाना क्षेत्र का है।

एक तरफा प्यार में बात करने की कोशिश करता था

आरोपी इकराम महिला से एक तरफा प्यार करता था। पीड़िता उससे बात करना नहीं चाह रही थी। लड़का जबरदस्ती बात करने की कोशिश करने लगा। जिसका महिला ने विरोध जताया तो लड़का ने धमकी दी थी। आरोपी युवक का घर पीड़िता के घर से 2 किलोमीटर की दूरी पर है। जो लगातार महिला के घर की तरफ घूमने आता था। हालांकि पहले से युवक और महिला के बीच कोई संबंध नहीं था। पड़ोस के गांव के रहने के कारण एक दूसरे को जानते थे। भवानीपुर थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर महेश कुमार ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके विरुद्ध मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

गोपालगंज के किसान ने 48 डिग्री तापमान में उगाए सेब

गोपालगंज, एजेंसी। अब तक शिमला और कश्मीर जैसी ठंडी जगहों में होने वाले सेब की खेती अब बिहार की गर्म जमीन पर भी मुमकिन हो गई है। गोपालगंज के सदर प्रखंड स्थित एकड़ेरवा गांव के किसान ध्रुव कुमार सिंह ने इस असंभव मानी जाने वाली संभावना को साकार कर दिखाया है। उन्होंने हिमालयन-99 प्रजाति के सेब के पौधों की सफलतापूर्वक खेती की है, जो 48 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी फल दे सकता है।

2022 में कृषि विभाग से मिले थे 25 पौधे, 12 में लगा फल: ध्रुव कुमार सिंह को 2022 में कृषि विभाग के बागवानी मिशन के तहत हिमालयन-99 प्रजाति के 25 सेब के पौधे मिले थे। इनमें से 13 पौधे शुरू में सूख गए, लेकिन शेष 12 पौधों में अब फल आ चुके हैं। शुरुआती असफलता के बावजूद, मेहनत और धैर्य ने उन्हें यह सफलता दिलाई।

आम-अमरूद जैसी देखभाल, कम लागत में बेहतर मुनाफा : सेब की इस प्रजाति की खासियत यह है कि इसकी देखभाल आम और अमरूद जैसे पौधों की तरह ही की जा सकती है। शुरुआत में नियमित सिंचाई और समय-समय पर कटाई-छंटाई जरूरी होती है, लेकिन पेड़ के परिपक्व होने पर सिंचाई की जरूरत काफी कम हो जाती है। ध्रुव के अनुसार, यह कम लागत में अधिक मुनाफा देने वाला विकल्प बन सकता है।

सेब की बागवानी को बना लिया शौक, पेशे से हैं वकील : ध्रुव कुमार सिंह पेशे से अधिवक्ता हैं, लेकिन बागवानी उनका प्रमुख शौक है। वे पहले से ही आम, अमरूद, अंगूर और अनार की खेती कर चुके हैं। सेब की खेती का ऑफर मिलने पर उन्होंने इसे एक चुनौती की तरह लिया। उन्होंने कहा, शुरुआत में लोग मज़ाक उड़ाते थे कि सेब यहां कैसे होगा, लेकिन आज वही लोग सराहना कर रहे हैं।

जनवरी में फूल, मई-जून में फल: ध्रुव बताते हैं कि सेब के पौधे लगाने का उपयुक्त समय 15 नवंबर से 15 फरवरी तक होता है। पौधे लगने के दो साल बाद इनमें फूल आते हैं, जो जनवरी के अंत से शुरू होकर फरवरी तक आते हैं। मई और जून में फल तैयार हो जाते हैं।

'यह आम और लीची से भी बेहतर' : ध्रुव का मानना है कि सेब की यह किस्म आम, लीची और अमरूद से भी बेहतर है, क्योंकि इससे कम समय में अच्छी गुणवत्ता वाला फल मिलता है। वे अब इसे व्यावसायिक स्तर पर विस्तार देना चाहते हैं और सरकार से सहयोग की अपेक्षा रखते हैं।

उद्यान पदाधिकारी बोले: सफल हो रहा है प्रयोग, अन्य किसानों को भी जोड़ा जा रहा : जिला उद्यान पदाधिकारी आकाश कुमार ने बताया कि यह बागवानी सरकार की प्रयोगात्मक योजना का हिस्सा है और इसका परिणाम उत्साहजनक रहा है। हम अन्य किसानों को भी सेब की खेती के लिए प्रेरित कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में इसका बड़ा असर देखने को मिलेगा।

बिहार में सेब की खेती से आय में इजाफा : सेब की खेती बिहार के लिए कई मायनों में खास साबित हो सकती है। एक तो इससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी, वहीं स्थानीय लोगों को ताजा सेब भी सुलभ हो सकेगा। इसके अलावा, यह खेती के विविधीकरण और मृदा उर्वरता को बनाए रखने में भी सहायक होगी।

ध्रुव की अपील: सरकार दे तकनीकी मदद और पौधे : ध्रुव कुमार सिंह ने सरकार से अपील की है कि वे उन्हें बागवानी को बड़े स्तर पर फैलाने के लिए पौधे, तकनीकी प्रशिक्षण और बाजार तक पहुंच दिलवाएं। जब हिमाचल के सेब गर्मी में 230 रुपए किलो बिकते हैं, तो बिहार का सेब क्यों पीछे रहे?

संक्षिप्त समाचार

मोबाइल को लेकर दो बहनों में विवाद, एक ने किया सुसाइड, शव बरामद

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि थाना क्षेत्र के यादोपुर पंचायत अंतर्गत यादोपुर गांव में सोमवार की मध्य रात्रि पुलिस ने एक 18 वर्षीय युवती का शव बरामद किया। उक्त कार्रवाई अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में की गई। डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवती का शव गांव के समीप खेत में छिपाकर रखा गया है। सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू की। पूछताछ के बाद युवती का शव खेत से बरामद किया गया। मृतका की पहचान यादोपुर निवासी अभिमन्यु सिंह की बड़ी पुत्री गोल्डी कुमारी (उम्र 18 वर्ष) के रूप में हुई है। डीएसपी श्री कुमार ने बताया कि जांच के दौरान मृतका के गले में फंदे के निशान पाए गए, जिससे प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है। परिजनों से पूछताछ में मृतका के पिता अभिमन्यु सिंह ने बताया कि वे बस ड्राइवर हैं और प्रतिदिन सुबह गाड़ी लेकर निकलते हैं तथा रात 9 बजे घर लौटते हैं। घटना वाले दिन घर लौटने पर उन्होंने देखा कि परिवार के लोग रो रहे थे। पूछने पर पत्नी ने बताया कि मोबाइल को लेकर दो बहनों में विवाद हो गया था, जिस पर उन्होंने दोनों को डांटा। इसी बात से आहत होकर गोल्डी ने गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। इसके बाद परिजनों ने शव को छिपाने के इरादे से खेत में रख दिया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। मौके पर थाना अध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, अपर थाना अध्यक्ष मनीष राज, दरोगा सीमा कुमारी, संतोषी कुमारी, शिखा सिंह, राजीव रंजन कुमार समेत कई अधिकारी उपस्थित थे। फिलहाल इस मामले में कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने 10वीं सीबीएसई में मारी बाजी

बीएनएम। मोतिहारी। 10वीं सीबीएसई परीक्षा परिणाम 2025 में एमएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त कर स्कूल के शैक्षणिक स्तर को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है। अंकित कुमार मिश्रा ने 500 में से 468 अंक (93.6%) प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। उन्होंने विषयवार निम्नलिखित अंक प्राप्त किए जिसमें संस्कृत में 100, अंग्रेजी 99, विज्ञान 93, सामाजिक विज्ञान 92, गणित 84, कंप्यूटर साइंस 88। वहीं अभिनव कुमार ने 500 में से 459 अंक (91.8%) अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। हर्ष कुमार ने 500 में से 455 अंक (91%) अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। अनुष्का अग्रवाल ने 500 में से 454 अंक (90.8 %) अंक प्राप्त कर चौथा स्थान हासिल किया। देवेश कुमार ने 500 में से 452 अंक (90.4%) अंक प्राप्त कर पाँचवा स्थान हासिल किया। अनुभव कुमार ने 500 में से 447 अंक (89.4%) अंक प्राप्त कर छठा स्थान हासिल किया। सोनू माया कुमारी ने 500 में से 444 अंक (88.8 %) अंक प्राप्त कर सातवाँ, आयुश कुमार ने 500 में से 440अंक (88%) अंक प्राप्त कर आठवां, सिद्धि कुमारी गुप्ता ने 500 में से 436 अंक (87%) अंक प्राप्त कर नौवाँ, लकी कुमारी ने 500 में से 430 अंक (86%) अंक प्राप्त कर दसवां, सत्यम कुमार 500 में से 423 अंक प्राप्त कर 84.6% अंक हासिल किए। विद्यालय के निदेशक ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि यह सफलता छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों की मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। कहा कि विद्यालय परिवार सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है। उक्त आशय की जानकारी एसएस मेमोरियल पब्लिक स्कूल के प्राचार्य सरदार सतनाम सिंह ने दी है।

बीएलओ के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बीएनएम। मेहसी/मोतिहारी। आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर प्रशासनिक तैयारियों में तेजी आ गई है। इसी कड़ी में मेहसी प्रखंड मुख्यालय सभागार में 14 और 15 मई को बूथ स्तरीय पदाधिकारियों (बीएलओ) के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशानुसार बीएलओ की जिम्मेदारियों और दायित्वों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आयोजित किया गया है। प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सूरज कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो चरणों में संपन्न किया जाएगा। पहले दिन यानी 14 मई को बूथ संख्या 161 से 200 तक के बीएलओ को प्रशिक्षण दिया जाएगा, जबकि 15 अप्रैल को बूथ संख्या 201 से 279 तक के बीएलओ भाग लेंगे। बीडीओ श्री सिंह ने बताया कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता और सटीकता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कराया जा रहा है। उन्होंने कहा, "बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) चुनावी व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि वे अपने कर्तव्यों और दायित्वों को पूरी निष्ठा एवं जानकारी के साथ निभाएं।" प्रशिक्षकों की टीम में मुख्य रूप से तारकेश्वर कुमार द्विवेदी, जो राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली से प्रशिक्षित हैं, शामिल हैं। उनके साथ सुशील कुमार मिश्रा और रंजीत कुमार श्रीवास्तव सह-प्रशिक्षक की भूमिका में होंगे। यह प्रशिक्षक टीम बीएलओ को मतदाता सूची अद्यतन, पुनरीक्षण कार्य, मतदाता पहचान पत्र वितरण, बूथ पर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी, दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिक मतदाताओं की सहायता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रशिक्षण देगी। बीडीओ ने यह भी बताया कि सभी बीएलओ की उपस्थिति अनिवार्य होगी और प्रशिक्षण उपरांत उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन भी किया जाएगा। उन्होंने यह अपील की कि सभी बीएलओ समय से प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचें एवं गंभीरता से प्रशिक्षण में भाग लें। प्रशिक्षण के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि चुनाव प्रक्रिया में किसी प्रकार की लापरवाही या त्रुटि न हो और हर मतदाता को लोकतांत्रिक अधिकारों का पूर्ण लाभ मिले।

84 मत्स्य विक्रेताओं दी गई मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन किट

» मछली विक्रेताओं को 70% अनुदान की राशि का मिलेगा लाभ
» मत्स्य विक्रेताओं को वार्षिक आमदनी में होगी वृद्धि

बीएनएम। मोतिहारी

मोतिहारी। शहर के भवानीपुर जिरात स्थित जिला मत्स्य कार्यालय के प्रांगण में मुख्यमंत्री मत्स्य विपणन किट (ग्रामीण एवं शहरी) का वितरण 84 मत्स्य विक्रेताओं के बीच मंगलवार को किया गया। मत्स्य विपणन योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के मत्स्य विक्रेताओं जो सड़क के किनारे, चौक-चौराहों, बाजार, हाट आदि जगह पर मत्स्य विपणन का कार्य करते है, उन्हें लाभान्वित करना है। जिससे हाईजेनिक किट की सहायता से उपभोक्ता तक स्वच्छता के साथ मछली की उपलब्धता कराई जा सके एवं रोजगार के नये अवसर के साथ-साथ मत्स्य व्यवसायियों को वार्षिक आमदनी में वृद्धि हो सके। उक्त मौके पर डॉ. नूतन, जिला मत्स्य पदाधिकारी, विरू

सहनी मंत्री मत्स्यजीवी सहयोग समिति संग्रामपुर, रविन्द्र सहनी मंत्री मत्स्यजीवी सहयोग समिति पीपराकोठी, प्रो. शिवशंकर निषाद, अरूण सहनी सहित अन्य लोग शामिल रहे। ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत छतरी, कटर, स्क्रबर, तराजु, बटखरा, तारपोलिन सीट, प्लास्टिक बाल्टी, मग, फेका जाल, प्लास्टिक क्रेट, एप्रांन, मणीबैग, ग्लबस, डस्टबीन आदि का वितरण विभिन्न प्रखण्ड के विक्रेताओं को दी गई है। ग्रामीण मत्स्य विपणन किट का इकाई लागत 1900/रू एवं शहरी का 25000/रू है जिसमें 70 प्रतिशत अनुदान प्रावधनित है 30 प्रतिशत राशि लाभुक के द्वारा व्यय किया जायेगा।इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सभी मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, मत्स्य विकास पदाधिकारी एवं सभी कार्यालय कर्मी का सराहनीय सहयोग रहा।

सामाजिक न्याय परिचर्चा पर कार्यक्रम का हुआ आयोजनः मदन

बीएनएम। मोतिहारी

राष्ट्रीय जनता दल द्वारा प्रस्तावित सामाजिक न्याय परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन जिला के पकड़ीदयाल प्रखंड स्थित मधुबन रोड एम.एस मैरेज हॉल के परिसर में आयोजित होगा। इस परिचर्चा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भूदेव चौधरी, विधायक, राजीव कुमार उर्फ मुन्ना यादव, विधायक, मो. इकबाल शमी, धनिक लाल मुखिया प्रदेश महासचिव, जयनारायण राव, मुकेश यादव, युवा राजद एवं पार्टी के वरिष्ठ नेतागण शामिल होंगे। इस विशेष परिचर्चा कार्यक्रम में सामाजिक न्याय में विश्वास रखने वाले सभी सम्मानित नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति सादर अपेक्षित है। आइए, सामाजिक न्याय की अवधारणा को और सशक्त बनाने के इस प्रयास में सहभागी बनें। उक्त जानकारी समाजसेवी श्री भगवान साह ने दी है।

मोतिहारी एसपी स्वर्ण प्रभात ने हरसिद्धि थाने का किया निरीक्षण

लंबित मामलों की गहन जांच, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश, अरेराज डीएसपी और थानाध्यक्ष रहे मौजूद

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में कानून व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के उद्देश्य से एसपी स्वर्ण प्रभात ने मंगलवार को हरसिद्धि थाना का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाना में लंबित मामलों की फाइल- दर-फाइल गहन समीक्षा की और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी मामलों का त्वरित व निष्पक्ष निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। एसपी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, और थाना में आने वाले आम नागरिकों के साथ सम्मानजनक व्यवहार अनिवार्य है। उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, मालखाना, हाजत, शस्त्रागार व अभिलेखों के

रखरखाव की भी जांच की और कई जरूरी सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अरेराज डीएसपी रंजन कुमार और थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा समेत थाना के अन्य पदाधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। एसपी ने विशेष रूप से थाना प्रभारी को हिदायत दी कि अपराध नियंत्रण और जनता के प्रति जवाबदेही में किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाए। पुलिस अधीक्षक का यह निरीक्षण जिले में सुशासन और पुलिसिंग की गुणवत्ता को सुधारने की दिशा में एक सख्त कदम माना जा रहा है। मौके पर डीएसपी रंजन कुमार, इंस्पेक्टर पूर्णकाम सामर्थ, थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा, अपर थानाध्यक्ष मनीष राज सहित पुलिस बल व चौकीदार उपस्थित रहे।

सीबीएसई 12वीं परीक्षा में एमएस मेमोरियल स्कूल के छात्रो ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

बीएनएम। मोतिहारी

12वीं सीबीएसई परीक्षा परिणाम में जिले के रघुनाथुर बालगंगा स्थित एम. एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल के छात्रो ने एक बार फिर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रौशन किया है। विज्ञान, वाणिज्य और कला तीनों संकायों में छात्रों ने शानदार अंक प्राप्त कर स्कूल के शैक्षणिक स्तर को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया है।<विज्ञान (बायोलॉजी) संकाय में सोमेश कुमार ने 500 में से 466 अंक (93.2%) प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बनने का गौरव प्राप्त किया। सोमेश ने जीवविज्ञान में 95,चित्रकला में 100,भौतिकी 89,रसायन में 92,अंग्रेजी 90 अंक प्राप्त किया है।इसी संकाय में दानिश कौसर ने 464 अंक (92.8%) प्राप्त कर दूसरा स्थान हासिल किया। उसने जीवविज्ञान में 95, पेंटिंग में 99, भौतिकी में 91, रसायन में 91 और अंग्रेजी में 87 अंक अर्जित किए। आर्यन कुमार ने 462 अंक (92.4%) प्राप्त किए। उसने जीवविज्ञान में 91,पेंटिंग 99, भौतिकी 91, रसायन 89 व अंग्रेज़ी में 92 अंक हासिल किया है। विज्ञान संकाय (गणित) में रतन पंकज ने 500 में से 423 अंक (84.4%) प्राप्त किए। उन्होंने गणित में 84, पेंटिंग में 95, भौतिकी में 89, रसायन में 81 और अंग्रेजी में 75 अंक प्राप्त किए। कला संकाय में नवनीत कुमार ने 412 अंक (82.4%) प्राप्त किए। उसने समाजशास्त्र

में 84, इतिहास 68, राजनीति विज्ञान 75, पेंटिंग 95 व अंग्रेज़ी में 90 अंक हासिल किया है।वाणिज्य संकाय से नज़रा खातून ने 500 में से 380 अंक (76%) प्राप्त कर संतोषजनक प्रदर्शन किया।विद्यालय के निदेशक डा.सी.बी सिंह ने सभी विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है, कि यह सफलता छात्रों व शिक्षकों की मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय परिवार सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सीबीएसई में बेहतरीन परिणाम से स्कूल में हर्ष का माहौल

बीएनएम। मोतिहारी

सीबीएसई द्वारा जारी 12वीं के परीक्षा परिणाम में जीवन इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने शत-प्रतिशत सफलता हासिल की है। विद्यालय के उज्जवल कुमार सावरिया ने कामर्स में 96, सिद्धार्थ सिंह ने विज्ञान में 92.8 व प्रशस्ति श्रीवास्तव ने साइंस में 90.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय टॉपर बने है। विद्यालय के चेयरमैन जीवन प्रकाश, उपाध्यक्ष मनोज रंजन व निदेशक स्वर्णिम श्रीवास्तव ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की है। बताया कि जय प्रकाश ने पीसीबी में 90.6, प्रशांत कुमार ने पीसीएम में 90.40 प्रतिशत के साथ सफलता हासिल किया है। इधर शहर के हिंदी बाजार निवासी अंशु कुमारी सावरिया व सुनील कुमार सावरिया के घर उत्साह का माहौल है। उज्जवल के माता-पिता पुत्र के परीक्षा परिणाम आने के बाद हर्षित है। बेटा विद्यालय टॉपर बना है। उज्जवल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता व गुरुजनों को दिया है। वहीं दूसरी ओर जीवन पब्लिक स्कूल के मोहम्मद रेहान ने आट्र्स में 95 तो साइंस में अभिषेक कुमार ने 90.80 प्रतिशत अंक के साथ सफलता हासिल की है। चेयरमैन जीवन प्रकाश ने बताया कि विद्यालय के शत-प्रतिशत विद्यार्थियों ने सफलता हासिल कर अपने माता-पिता सहित विद्यालय का नाम रोशन किया है। बताया कि

जीवन इंटरनेशनल स्कूल के उज्जवल कामर्स, सिद्धार्थ विज्ञान व प्रशस्ति साइंस टॉपर। वहीं वर्ग दशम से अभिनव रंजन ने 97 प्रतिशत मार्क्स लाकर बढ़ाया स्कूल का मान

लायेबा हयात ने 91.4 व प्रतीक कुमार ने साइंस में 83.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किया है। जबकि वर्ग दशम में अभिनव रंजन ने 97, रिशु कुमारी 95.8, निशा कुमारी 95.4, विनीश कुमार 94, आयुष कुमार 93.8, तान्या कुमारी 93.6, रूपेश कुमार 93, सुप्रिया कुमारी 92.6,प्रिंस कुमार 92, नुमान आलम 91.8, रिया कुमारी 91.8, श्रेया राज 91, नमन राज 90.8, प्रवीण कुमार 90.8, अनन्या 90.4, आर्यन कश्यप 90.4, सृष्टि कुमारी 90, संध्या रानी 90, गुनगुन कुमारी 89.6, फरदीन अंसारी 89.6 ने शानदार अंक प्राप्त कर स्कूल के साथ जिले का नाम रौशन किया है। उक्त आशय की जानकारी प्रेस विज्ञप्ति जारी कर विद्यालय के चेयरमैन जीवन प्रकाश ने दी है।

जन्मदिवस पर जरूरतमंदों को कराना चाहिए भोजन- ऋषभ

बीएनएम। मोतिहारी

विश्व हिंदू परिषद् व बजरंग दल द्वारा नगर के रिक्शा चालकों के बीच मंगलवार को भोजन का वितरण किया गया। यह पुणित कार्य विहिप प्रांत प्रचार-प्रसार सह विभाग प्रमुख उत्तर बिहार इंजिनियर ॠषभ रंजन श्रीवास्तव ने अपने जन्मदिन के सुअवसर पर आयोजित किया तथा बताया कि हर किसी को अपने जन्म दिन पर लोगों की सेवा और जरूरतमंद लोगों में भोजन का वितरण करना चाहिए। कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। इन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे गरीब असहायों को मदद करें। उक्त मौके पर विहिप जिला उपाध्यक्ष डॉ. संतोष श्रीवास्तव, बजरंग दल के जिला विद्यार्थी प्रमुख अभिनव पाण्डेय, चंदन कुमार, डॉ. रित्तिक रंजन इत्यादि उपस्थित थे।

एमएस कॉलेज में बुस्टा संघ की चुनाव संपन्न

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के मुंशी सिंह महाविद्यालय 'बुस्टा'(बी.आर.ए बी.यू, बिहार विश्वविद्यालय शिक्षक सेवा संघ) इकाई के कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। नामांकन प्रक्रिया में निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव, और कोषाध्यक्ष पदों के लिए केवल एक-एक नामांकन प्राप्त हुए थे, इसलिए उपाध्यक्ष पद के लिए डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, हिंदी विभाग, संयुक्त सचिव पद के लिए डॉ. मोहम्मद मशहूर अहमद, उर्दू विभाग और कोषाध्यक्ष पद के लिए अमरजीत कुमार चौबे, अर्थशास्त्र विभाग को निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। अध्यक्ष एवं सचिव पद के लिए दो-दो प्रत्याशी होने के कारण, निर्धारित कार्यक्रमानुसार दिनांक - 13 मई को सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक मतदान संपन्न हुआ। कुल 35 मतदाताओं में से 32 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में डॉ. प्रभाकर सिंह (इतिहास विभाग) और सचिव पद के लिए हुए चुनाव में पवन कुमार (राजनीति विज्ञान विभाग) निर्वाचित हुए। निर्वाचन पदाधिकारी प्रो. मो. इक़बाल हुसैन और सहायक निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. गौरव भारती की देखरेख में शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न हुआ।

जीविका द्वारा 1428 ग्राम संगठनों में संपन्न हुआ महिला संवाद का आयोजन

» 2 लाख 75 हज़ार से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया

बीएनएम। मोतिहारी

मंगलवार को पूर्वी चंपारण जिले के सभी प्रखंडों में 27 महिला संवाद रथ के माध्यम से सभी प्रखंडों के ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया जा चुका है। महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं की समस्या से लेकर समाधान तक की बातें कर रही हैं। सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजनाओं पर भी अपनी बाते प्रमुखता से रख रही हैं। महिलाये अब सड़क, नाली, आवास, शौचालय, नल-जल से इतर अब अपने लिए रोजगार की मांग कर रही हैं। संवाद के माध्यम से महिलाये अपने मन की बातों को साझा कर रही हैं।महिला संवाद महिलाओं के लिए एक मंच

का काम कर रहा है, जहाँ पर वह अपने अनुभव, संघर्ष, विचार एवं सफलता की कहानियां साझा कर रही हैं। महिला संवाद ने महिलाओं को न सिर्फ अभिव्यक्ति की आजादी दी है, बल्कि उनके अदम्य साहस को भी मजबूत तंत्र प्रदान किया है। महिलाये अब अपने घर से निकल कर विकास की बातें कर रही हैं। कार्यक्रम के दौरान सभी ग्राम संगठनों में महिला संवाद रथ के माध्यम से बिहार सरकार द्वारा संचालित योजनाओं को वीडियो और लीफलेट के माध्यम से दिखाया जा रहा है। प्रत्येक कार्यक्रम की अवधि 2 घंटे की होती है, जिसमें 45 मिनट वीडियो दिखाया जाता है जिसमें आरक्षण के तहत सरकारी योजनाओं, साईकिल, पोषाक योजना, जीविका, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान आदि के बारे में सरकार द्वारा किये जा रहे कार्य के बारे में विस्तार से दिखाया जा रहा है, ताकि ग्रामीण स्तर पर रह रहे लोग अलग-अलग योजनाओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा जान सके। इसके साथ ही सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का लीफलेट भी उपस्थित महिलाओं को दिया जा रहा है। जिसके माध्यम से वह योजना का लाभ उठा सके। यह कार्यक्रम 18 जुन तक संचालित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से सरकार ग्रामीण इलाकों की समस्या का संकलन कर रही है। इसे जिला स्तर और राज्य स्तर से सही किया जाएगा। सरकार द्वारा आयोजित इस महिला संवाद कार्यक्रम में महिला के साथ पुरुष भी बढ़-चढ कर हिस्सा ले रहे हैं। मंगलवार को हुए महिला संवाद कार्यक्रम में 11 हज़ार से अधिक ग्रामीण महिलाओं ने भाग लिया। दो घंटे के इस कार्यक्रम में 45 मिनट वीडियो के साथ ही 45 मिनट में राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित जीविका दीदियों द्वारा अपना मंतव्य रखा जाता है कि किस प्रकार सरकार की योजनाओं से उनके जीवन में खुशियां आई। इसके बाद कार्यक्रम में सम्मिलित महिलाओं से उनके क्षेत्र से संबंधित आकांक्षाएं ली जा रही हैं। जिसमें स्थानीय आकांक्षा के साथ नीतिगत आकांक्षाओं को भी प्रतिवेदित करवाया जा रहा है साथ ही ऐप पर उन आकांक्षाओं को दस्तावेजीकरण किया जा रहा है। महिलाओं द्वारा सरकार प्रायोजित योजनाओं से संबंधित मांग, सार्वजनिक/सामूहिक संपत्ति एवं संसाधन के निर्माण, विकास एवं मरम्मती संबंधित मांग, सार्वजनिक सेवा की गुणवत्ता संबंधी मांग, आजीविका स्वरोजगार संबंधी मांग, समाज सुधार संबंधी मुद्दे, जीविका से जुड़ी नई आकांक्षाएं एवं नीतिगत सुधार से संबंधित योजनाओं की मांग की जा रही है। जिले में अब तक कुल 1428 महिला संवाद कार्यक्रम के आयोजन में लगभग 2 लाख 75 हज़ार से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

अरेराज रेफरल अस्पताल में हड्डी रोग विशेषज्ञ की मनमानी चरम पर — गरीब मरीज बेहाल, डॉक्टर साहब समय से पहले 'फरार'

बीएनएम। अरेराज। उज्जवल मिश्राः अरेराज रेफरल अस्पताल में मरीजों की उम्मीदें टूट रही हैं, और जिम्मेदार डॉक्टर अपनी ड्यूटी से पल्ला झाड़ रहे हैं। अस्पताल के हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. उपेंद्र कुमार पर गम्भीर आरोप लगे हैं कि वे नियमित रूप से ओपीडी का निर्धारित समय पूरा किए बिना ही अस्पताल से गायब हो जाते हैं। स्थानीय लोगों और मरीजों का कहना है कि डॉक्टर साहब की यह आदत आम हो गई है — वे कुछ ही घंटों में अस्पताल छोड़ देते हैं, और बाद में उनके नाम पर कोई और मरीजों का इलाज करता है। यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि गरीब और जरूरतमंद मरीजों के साथ अन्याय भी है।

ग्रामीण इलाकों से आने वाले सैकड़ों मरीज दिनभर इंतजार करते रह जाते हैं, लेकिन डॉ. उपेंद्र कुमार अक्सर नदारद रहते हैं।

स्वास्थ्य विभाग चुप क्यों?- यह कोई पहली बार नहीं है जब सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की गैरहाजिरी की शिकायतें सामने आई हैं। लेकिन अरेराज के इस मामले में विभाग की चुप्पी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या स्वास्थ्य महकमा ऐसे डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने से कतरा रहा है? स्थानीय लागों और मरीजों ने मांग की है कि डॉ. उपेंद्र कुमार की कार्यशैली की जांच की जाए और यदि अनियमितता पाई जाती है तो उनके खिलाफ उचित कार्रवाई हो। साथ ही अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए ताकि मरीजों को सही समय पर इलाज मिल सके।

गंडक नदी में डूबी बच्ची का शव बरामद

बीएनएम। केसरिया। थाना क्षेत्र के मझरिया गांव में सोमवार को गंडक नदी में डूबी दस वर्षीय बच्ची का शव एसडीआरएफ की टीम ने बरामद कर लिया है। शव सत्तरघाट पुल के समीप से मंगलवार को बरामद किया गया। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया है।बताया जाता है कि सोमवार को मझरिया गांव के राजेश राम की दस वर्षीय पुत्री प्रतिभा कुमारी अपने सहेली के साथ गंडक नदी में नहाने गई थी। नहाने के दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। जिससे वह नदी में डूब गई। एसडीआरएफ की टीम के प्रयास के बाद को शव बरामद किया जा सका है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है।

बिहार के प.चंपारण में सड़क दुर्घटना में पिता की मौत, बेटी का चल रहा इलाज

बीएनएम। पटना। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के बगहा पुलिस जिला अन्तर्गत बसवरिया चौक के पास हुए सड़क हादसे में आज बाइक सवार पिता की मौत हो गई, जबकि उसकी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक और उसमें सवार लोग मौके से फरार हो गए हैं। मृतक की पहचान बथवरिया निवासी 36 वर्षीय मुन्ना साह के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, मुन्ना साह अपनी 14 वर्षीय बेटी सलोनी के साथ कपड़ा लेने के लिए चौतरवा स्थित अपने भाई के घर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें लोरिया रेफरल अस्पताल ले जाया गया, जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए बेतिया जीएमसीएच रेफर कर दिया लेकिन रास्ते में ही मुन्ना साह की मौत हो गई। बेटी सलोनी का इलाज बेतिया मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेज दिया है। साथ ही वाहन की पहचान के लिए स्कॉर्पियो के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई है।

देवर व देवरानी ने महीला को अर्धनग्न करके पीटा

बीएनएम। बेतिया। पश्चिम चंपारण ज़िला में स्थित योगापट्टी में एक महिला को उसके देवर और देवरानी ने अर्धनग्न करके पीट दिया है। इतना ही नहीं उसकी हत्या करने की नियत से उसके गले को भी दबाया गया है । महिला के गले पर गला घोंटने का निशान है। घटना मंगलवार की सुबह की बताई जा रही है । जख्मी महिला की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के बलुआं परेगवा गांव निवासी मोहन राम की पत्नी ममता देवी 30 वर्ष के रूप में हुई है । मोहन गरीबी के कारण अपने परिवार का खर्च चलाने के लिए दिल्ली में रहकर मजदूरी का कार्य करता है । स्थानीय सीएचसी के डॉक्टर आजाद ने बताया कि महीला का प्राथमिक उपचार किया गया है महीला के गले पर गला घोंटने का निशान है उसके नाक से खून निकल रहा था। हालांकि महीला खतरे से बाहर है उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। ज़ख्मी महीला ममता देवी ने बतायी की वह अपने देवर के पतलचुर जो किसी बीमारी की अचूक दवा है उसे तोड़ रही थी । इसी बात से नाराज उसके देवर व देवरानी ने उसे अर्धनग्न करके पीटने लगे और हत्या करने के नीयत से गला दबाने लगे काफी मशक्कत के बाद उसने अपनी जान बचाई। उसके पति दिल्ली में रहकर मजदूरी का कार्य करते हैं और उसके बच्चे अभी छोटे-छोटे हैं।

हादसे में चाचा भतीजा घायल

बीएनएम। जमुई/झाझा। पिकअप वाहन के चकमा देने के बाद बाइक के एक दिशा में टक्कर मारने से बाइक पर चाचा भतीजा घायल हो गया। सड़क पर घायल अवस्था में गिरे पड़े दोनों युवकों को देखकर तुरन्त स्थानीय लोगों ने डायल 112 की पुलिस को सूचना दी ।जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उठाकर इलाज के लिए रेफरल अस्पताल में भर्ती करवाया। घटना थाना क्षेत्र के मछिन्द्रा गांव के समीप दादपुर जाने वाली मुख्य मार्ग पर हुई। घायल श्रीराम ने बताया कि बेलहर संग्रामपुर से अपने रिश्तेदार के घर से वापस बाइक से आ रहा था कि एक पिकअप तेज गति से आते हुए मेरे बाइक के आगे चकमा दिया और उसका पिछला हिस्सा बाइक में टकराई । जिससे बाइक अनियंत्रित हो गई ।सड़क पर गिरकर घायल हो गए। जहां डॉक्टर के द्वारा दोनो घायलों का इलाज किया गया लेकिन घायलों की स्थिति नाजुक बने रहने के कारण डॉक्टर ने दोनो घायलों को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल जमुई रेफर कर दिया।

नेपाल से गांजा लेकर आ रहे दो तस्कर मैत्री पुल पर गिरफ्तार

शरीर में छुपाया था 3.7 किलो गांजा

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा स्थित मैत्री पुल पर सुरक्षा जांच के दौरान सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के जवानों ने नेपाल से गांजा लेकर आ रहे दो तस्करो को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार दोनो तस्कर नेपाल से भारत आ रही टमटम गाड़ी पर सवार थे, जिसकी तलाशी के दौरान दोनो यात्रियों की गतिविधियों पर संदेह हुआ। उनकी घबराहट देख एसएसबी के जवानों ने उनकी शरीर की तलाशी ली, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ। दोनों तस्करों ने अपने शरीर में इस तरह से गांजा छुपा रखा था कि ऊपर से किसी को संदेह भी न हो। जांच में उनके शरीर से कुल 3 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान पश्चिम चंपारण जिले के नौतन निवासी जवाहिर राम के पुत्र मोती राम और नंदपुर बैरिया निवासी नगीना पटेल के पुत्र उमेश पटेल के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान तस्करो ने बताया कि वे लोग पहले भी कई बार इसी तरह शरीर में गांजा छुपाकर नेपाल से भारत में तस्करी कर चुके हैं। वे नेपाल से गांजा लाकर भारत में विभिन्न स्थानों पर सप्लाई करते थे।उल्लेखनीय है कि हाल के दिनों में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के कारण नेपाल से भारत आने वाले हर नागरिक की सघन जांच की जा रही है। इसी सघन जांच के दौरान एसएसबी ने दोनों तस्करों को धर दबोचा है।गिरफ्तार तस्करों को एसएसबी ने हरैया थाना को सौंप दिया है। थानाध्यक्ष किशन कुमार ने बताया कि दोनों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि गांजा कहां से लाया जा रहा था और इसे कहां सप्लाई किया जाना था। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुट गई है।

बीपीएससी से पास हुए टीआरई 3 के शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया

बीएनएम। तुरकौलिया

बीआरसी भवन में बुधवार को बीपीएससी से पास हुए टीआरई 3 के शिक्षकों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी जितेंद्र कुमार ने नियुक्ति पत्र दिया। पत्र वितरण के बाद नए शिक्षकों के उज्जवल भविष्य की कामना किया गया। साथ ही उन्हें बताया गया कि आप लोग अच्छे से पढ़ाए। बच्चों को दोस्त समझे। उन्हें पढ़ाई के अलावे बाहरी तालीम भी दे। ताकि बच्चें तेज तर्रार और होनहार हो। नए शिक्षक के रूप में रेखा कुमारी, अनुपमा कुमारी, काजल महजबी, सोनू कुमार, दीप शिखा कुमारी, प्रकाश कुमार आदि ने अपना नियुक्ति पत्र प्राप्त किया। नियुक्ति पत्र मिलने के बाद सभी शिक्षक खुश दिखे। शिक्षकों ने कहा वे लोग बच्चों को खूब पढ़ाएंगे। ताकि बच्चें स्कूल का नाम रौशन कर सके।

कल से शुरू होगा पाँच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ

तैयारी में जुटे ग्रामीण

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया स्थित राधे-कृष्ण मठ में गुरुवार से पाँच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन किया जायेगा। इसकी तैयारी को लेकर सम्पूर्ण ग्रामवासी लगे हुए हैं। मठ परिसर में भव्य यज्ञशाला का निर्माण किया जा रहा है। इसका आयोजन ग्रामवासियों के सहयोग से किया जा रहा है। गुरुवार से जलयात्रा के साथ इस महायज्ञ की शुरुआत की जाएगी। रविवार को मूर्ति का नगर भ्रमण व सोमवार को प्राण प्रतिष्ठा के साथ इस महायज्ञ का समापन किया जाएगा। इस यज्ञ को सफल बनाने में भारत उत्थान संघ के चैयरमैन सह मुम्बई उच्च न्यायालय के वरीय अधिवक्ता ताजपुर पटखौलिया निवासी राकेश कुमार सिंह का खास सहयोग है। उन्होंने इस मठ को राधे-कृष्ण की प्रतिमा भेंट की है जिसकी स्थापना की जाएगी। इससे पहले उन्होंने इस मठ के अधूरे पड़े निर्माण कार्य को पूर्ण करा कर इस मठ की शोभा बढ़ा दी है। आयोजन समिति से जुड़े व समाजसेवी विकास कुमार सिंह ने बताया कि पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का आयोजन भव्य व ऐतिहासिक होगा। इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। ग्रामवासियों का इसमें भरपूर सहयोग मिल रहा है। वहीं पीताम्बर राम, समाजसेवी संजय कुमार यादव, मिठू सिंह, छोटू सिंह, मंटू सिंह, विनोद यादव, कुन्नू सिंह, मंजय पासवान सहित अन्य ग्रामीणों का भरपूर सहयोग है।

तूफान ने मचाई तबाही ,पेड़ गिरने से दबकर एक बच्चे की मौत

कई जगह गिरा पेड़,आवागमन हुआ बाधित,विद्युत आपूर्ति 24 घंटे से ठप्प

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में सोमवार की देर शाम आई आंधी एव बारिश ने जबरदस्त तबाही मचाई है। इस दौरान कोटवा प्रखंड के सिरसिया गांव में पेड़ गिरने की घटना में दबने से एक 8 साल के बच्चे को मौत हो गई। इसके साथ ही बारिश व आंधी में अहिरौलिया गांव में घर में छिपे बाराती घर पर पेड़ गिरने से दो लोग जख्मी हो गए। तूफान के बाद सड़कों पर कई जगह पेड़ गिरा जिससे यातायात बाधित हो गया। वही कई जगह पोल व तार के टूटने से बिजली आपूर्ति भी बाधित हो गई। सोमवार की शाम लगभग साढ़े 8 बजे अचानक आई तूफान एवं तेज बारिश ने जबरदस्त तबाही मचाई। कोटवा हाई स्कूल के समीप पेड़ गिरा जिससे मोतिहारी-कोटवा बाईपास रोड में आवागमन बाधित हो गया। इसके अलावे कालेज रोड , भोपतपुर रोड , दीपऊ-राजापुर रोड,नवगोल चौक से बड़हरवा सह कमिटी रोड में पेड़ गिरने से लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हुई। तूफान ने कई लोगों के आशियाने को भी उजाड़ दिया। कई जगह दुकानों का शेड बोर्ड भी तेज हवा उड़ गया। मंगलवार की सुबह तक कई जगहो पर स्थानीय लोगों ने सड़क से पेड़ हटाया जिसके बाद यातायात समान्य हो सका। सबसे दुखद तो यह है,कि प्रशासनिक स्तर पर कोई खोज खबर लेने वाला नहीं मिला।

सिंगापुर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में फ़िल्म चम्पारण सत्याग्रह का जलवा बरकरार

डायरेक्टर ऑफ द ईयर समेत छः कैटिगरी में मिला अवार्ड

बीएनएम। मोतिहारी

युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, डा. राजेश अस्थाना की बहुचर्चित फिल्म 'चम्पारण सत्याग्रह' नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार (वर्मा) के बाद विदेश की धरती पर सिंगापुर लायंस इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में देश विदेश की 8,575 फिल्मों के बीच बेस्ट डायरेक्टर ऑफ द ईयर (रियलिस्टिक फिल्म) समेत छः अवॉर्ड बेस्ट डायरेक्टर ऑफ द ईयर (रियलिस्टिक फिल्म), बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट फिल्म, बेस्ट स्क्रीनप्ले, बेस्ट एडिटर एवं बेस्ट सिनेमेटोग्राफर फिल्म चम्पारण सत्याग्रह ने अपने नाम किया है। इस संदर्भ में सर्टिफिकेट जारी होने पर आयोजन समिति के कोऑर्डिनेटर फ़िल्म फेस्टिवल जंक्शन, इंडिया ने ईमेल पर सूचना देते हुए बधाई दी है। उल्लेखनीय है,कि फ़िल्म फेस्टिवल बिहार महोत्सव दिल्ली, गोवा इंटरनेशनल फ़िल्म कंप्टीशन गोवा, नेपाल विंग्स इंटरनेशनल क्रिटिक्स फिल्म फेस्टिवल का छठा आयोजन, स्वर्ण भारत इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल मुम्बई, बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर इंटरनेशनल फ़िल्म फेस्टिवल मुम्बई, कन्याकुमारी इंटरनेशनल फिल्म अवार्ड का छठा आयोजन, छठे क्राउन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल बंगलादेश एवं म्यांमार (वर्मा) इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में बिहार की फ़िल्म चम्पारण सत्याग्रह ने दर्जनों अवॉर्ड अपने नाम कर एक कीर्तिमान स्थापित किया है। बिहार की फ़िल्म चम्पारण सत्याग्रह के इतने सारे अवार्ड जीतने के पश्चात् फ़िल्म के अभिनेता व निर्देशक डा. राजेश अस्थाना ने बताया कि यह अवार्ड चम्पारण सत्याग्रह से जुड़े सभी स्वतंत्रता सेनानियों और उनके परिवार के साथ साथ मेरी सम्पूर्ण टीम को समर्पित है। चम्पारण सत्याग्रह बिहार की पहली फिल्म बन गई है जिसे हर एक कैटिगरी में इतने सारे अवार्ड मिले हैं। उन्होंने वर्तमान युवा पीढ़ी को इतिहास से अवगत कराने हेतु युवराज मीडिया एण्ड एंटरटेनमेंट द्वारा ''चम्पारण सत्याग्रह'' नाम से भव्य फीचर फिल्म बनायी गई है। पूरी फ़िल्म सम्पूर्ण विश्व में चम्पारण के अतीत के अनछुए पहलुओं से रूबरू कराती है। उन्होंने बताया कि फ़िल्म फेस्टिवल में शामिल करने के लिए सेंसर बोर्ड के सर्टिफिकेशन की आवश्यकता नही होती है।

प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित किया गया विकास शिविर

विभिन्न विभागों के लगाये गए स्टॉल

बीएनएम। केसरिया

प्रखण्ड क्षेत्र के ताजपुर पटखौलिया पंचायत के रामपुर कोडर स्थित मदरसा में मंगलवार को प्रशासन आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में ग्रामीण विकास विभाग, राजस्व विभाग, कृषि विभाग, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग, मनरेगा, सांख्यिकी विभाग, आईसीडीएस सहित करीब एक दर्जन विभागों का स्टॉल लगाया गया। जहाँ मौजूद अधिकारियों व कर्मियों को शिविर में आये लोगों ने आवास, दाखिल खारिज, फसल अनुदान, राशनकार्ड, जॉब कार्ड आदि से संबंधित आवेदन दिया। वहीं स्वास्थ्य विभाग के द्वारा इस शिविर में मेडिकल कैम्प लगाया गया। जिसमें करीब चार सौ से अधिक लोगों की चिकित्सीय जाँच कर आवश्यक दवा मुहैया कराई गई। शिविर में पहुँची विधायक शालिनी मिश्रा व चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण कर आवश्यक जानकारी ली। विधायक ने मौजूद सभी लोगों से कहा कि अपने अपने क्षेत्र की समस्या से अवगत कराये। उसके निदान को लेकर हर सम्भव प्रयास किया जाएगा। वहीं एसडीओ ने कहा कि इस शिविर में आये आवेदनों का 15 से 20 दिनों में निष्पादन किया जाएगा। मुखिया भोला कुमार के द्वारा आगत अतिथियों का अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया। मौके पर बीएओ राजेश कुमार, एमओ खुशबू कुमारी, पीओ अमित नारायण, प्रखण्ड स्वच्छता समन्वयक विशेश्वर पासवान, कार्यपालक सहायक दीपक कुमार, कार्यपालक सहायक स्नेहा कुमारी, राजस्व विभाग के विश्वजीत कुमार, राजेश तिवारी, अर्जुन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

नेपाल में रहकर खलिस्तानी आतंकी संगठनो के नेटवर्क मजबूत करने में जुटा था आतंकी कश्मीर सिंह

बीएनएम। मोतिहारी

एनआईए और मोतिहारी पुलिस की संयुक्त कारवाई में मोतिहारी के मोतीझील क्षेत्र से गिरफ्तार दस लाख का इनामी खालिस्तानी आतंकवादी कश्मीर सिंह गलबड्डी उर्फ बलवीर सिंह को एनआईए ने ट्रांजिड रिमांड पर आवश्यक पूछताछ के लिए अपने साथ दिल्ली ले गई। बलबीर ने प्रारंभिक पूछताछ में नाभा जेल ब्रेक व अन्य आतंकी गतिविधि में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके साथ ही यह भी जानकारी मिली है,कि बलवीर बब्बर खालसा इंटनेशनल सहित अन्य खलिस्तानी आतंकी संगठन के नेपाल नेटवर्क का अहम हिस्सा था।इसके 6 बैक अकांउट में करोड़ो रूपये के फंडिग और लेनदेन की जानकारी मिली है। बलबीर नेपाल में दलजीत सिंह के नाम से फर्जी दस्तावेज बनवा कर भारत नेपाल के सीमाई शहर वीरगंज में एक घर भी खरीदा था।इसके साथ ही उसने एक नेपाली महिला से शादी करने के बाद दिखावा के लिए एक समान्य नागरिक की तरह रहते हुए घुम-घुम कर कपड़े बेचने का काम कर रहा था,हालांकि इस दौरान खालिस्तानी आतंकी संगठन के नेटवर्क का हिस्सा बना रहा,जिसमे बब्बर खालसा इंटरनेशनल, खालिस्तान लिबरेशन फोर्स जैसे आतंकी संगठन शामिल है। बताया गया कि कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर अंतरराष्ट्रीय सिख यूथ फेडरेशन से भी जुड़ा था।उल्लेखनीय है,कि कश्मीर सिंह उर्फ बलबीर नाभा जेल ब्रेक के दौरान खालिस्तान लिबरेशन फोर्स (केएलएफ) प्रमुख हरमिंदर सिंह रिंदू गैंगस्टर विक्की गौंडर, गुरप्रीत सिंह सेखों, नीता देओल और अमनदीप धोतियां जैसे आतंकी व गैंगस्टरो के साथ भाग निकला था।अब एनआईए इन सभी से बलबीर के रिश्ते और नेपाल में रहने के दौरान इसके कारगुजारियो और मंसूबे की पड़ताल करेगी।जिसके बाद कुछ अहम खुलासे हो सकते है।

अरेराज अस्पताल में खुली स्वास्थ्य सेवाओं की पोल, सीएस के निरीक्षण से मची खलबली

बीएनएम। मोतिहारी/अरेराज

अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था उस समय चरमरा गई, जब मोतिहारी के सिविल सर्जन (सीएस) ने रात के अंधेरे में अचानक अस्पताल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में अस्पताल के भीतर और बाहर फैली लापरवाही और अव्यवस्था की परतें सामने आईं, जिससे हर कोई दंग रह गया।

चादर गायब, गंदगी का साम्राज्य, एम्बुलेंस की हालत दयनीय- सीएस ने अस्पताल के वार्डों का दौरा किया और पाया कि मरीजों के बिस्तरों पर साफ चादरें नहीं थीं। अस्पताल परिसर में गंदगी का अंबार था, और एम्बुलेंस की हालत भी बेहद खराब थी, जो खुद बीमारी का प्रतीक बन चुकी थी। यह स्थिति संक्रमण फैलने का खतरा उत्पन्न कर रही थी।

सीएस का गुस्सा फूटा, सुधार के दिए कड़े निर्देश- सीएस ने अस्पताल की अव्यवस्था को देखकर गहरी नाराजगी जताई और अस्पताल कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने तत्काल प्रभाव से सफाई व्यवस्था सुधारने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए। इसके साथ ही, उन्होंने अस्पताल में 24 घंटे एक्स-रे सेवा शुरू करने का आदेश भी दिया।

अस्पताल कर्मियों में मची भगदड़, अब इंतजार सुधार का- सीएस के इस अचानक निरीक्षण से अस्पताल के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है। यह घटना अरेराज अनुमंडलीय अस्पताल में बरती जा रही लापरवाही और कुव्यवस्था का जीता-जागता उदाहरण है। अब देखना यह है कि सीएस के निर्देशों के बाद अस्पताल प्रशासन अपनी स्वास्थ्य सेवाओं में कितना सुधार लाता है। क्या मरीजों को साफ बिस्तर, स्वच्छ वातावरण और बेहतर एम्बुलेंस मिल पाएगी? आने वाला वक्त इसका उत्तर देगा।

पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85ल्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं।

डंटे रहो : न दैन्यम् न पलायनम् !

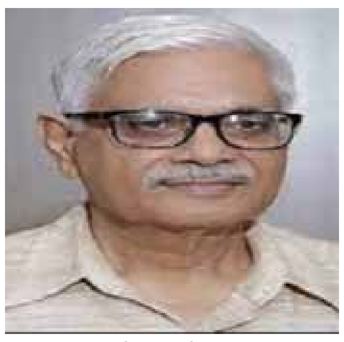

गिरीश्वर मिश्र

मनुष्य का अस्तित्व कोई अकेले के बस की बात नहीं है । अन्य या दूसरे के साथ सह अस्तित्व जीवन जीने के लिए अनिवार्य है । हिंसा और संघर्ष जीवन के विरुद्ध होता है। सहयोग, सहकार अब तक के ज्ञात राजनैतिक इतिहास को देखने पर भारत सतत रूप से एक शांति का आकांक्षी देश ही सिद्ध होता है । वह दूसरे देशों पर आधिपत्य स्थापित करने या अपना कब्जा जमाने की जगह शांति चाहता रहा है। अन्य देशों के साथ परस्पर सहयोग और समर्थन पाने की उसकी बलवती चाह रही है । इसी नीति के अनुसार आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ परस्पर जुड़ने के प्रयास को सदैव प्राथमिकता दी गई। कलह और संघर्ष में भारत की न रुचि रही है न कभी उसका भरोसा किया गया । अपने पड़ोसी देशों की ओर से भी भारत इसी भाव से प्रतिदान की कामना करता रहा है। इस तरह की नीति और आचरण के परिप्रेक्ष्य में हमारी विदेश नीति निर्धारित की जाती रही है। इसी अपेक्षा के साथ स्वतंत्र भारत शुरू से राजनय में अपने कदम बढ़ाता रहा है । किंतु दूसरों को अपनी ही तरह समझना खामखयाली ही साबित हुई और इतिहास गवाह है कि राजनयिक परिवेश में इस तरह की नीति के चलते भारत को कई बार नुकसान भी उठाना पड़ा । स्मरणीय है कि स्वतंत्र भारत के एक दशक बीतते-बीतते पड़ोसी चीन ने भाई-भाई के दिखावटी रिश्तों की आड़ में विश्वास को तोड़ कर धोखा दिया। यह भी सबको पता है कि तब भारत उस तरह की चुनौती के लिए बिलकुल तैयार नहीं था। तब से आज तक चीन के साथ सीमा के प्रश्न कई उतार-चढ़ावों के बीच से गुजरते आ रहे हैं। दूसरी ओर स्वयं चीन अपनी प्रगति से सबको चकित करते हुए विश्व पटल पर अमेरिका जैसी बड़ी हस्तियों से जोरदार टक्कर ले रहा है । उसकी उपस्थिति हर क्षेत्र में दर्ज हो रही है । शैक्षिक, राजनैतिक, तकनीकी, कृषि तथा सामरिक सभी क्षेत्रों में कीर्तिमान स्थापित करते हुए चीन की उपलब्धियां निश्चय ही अचंभित करने वाली हैं। सचमुच किसी भी देश की शक्ति और सामर्थ्य का कोई विकल्प नहीं होता है। पाकिस्तान हमारा दूसरा पड़ोसी देश है जो खार खाये बैठा है और स्वतंत्र होने के साथ और बाद में ही लगातार आक्रामक रुख अपनाए हुए है । आतंकवाद, अलगाववाद तथा उग्रवाद को बढ़ावा देना और गतिरोध पैदा करना पाकिस्तान का मुख्य कार्य हो गया है। यह दुर्भाग्य ही था कि विभाजन की घोर मानवीय त्रासदी के बीच भारत के साथ ही उसका जन्म हुआ और तब से लेकर आज तक कलह और वैमनस्य की आंतरिक परिस्थितियों से वह लगातार जूझता आ रहा है । ऐसी स्थितियों का परिणाम राजनैतिक अस्थिरता, आपसी वैमनस्य और हिंसा के रूप में दिखता रहा है। वहां के प्रधानमंत्री और राष्ट्राध्यक्ष लगातार हत्या या फांसी के शिकार होते आए हैं । सेना का तख्तापलट भी वहां कई बार हुआ है । संघर्ष की बुनियाद पर टिका पाकिस्तान अपने जन्म के साथ ही भारत के साथ पट्टीदारी जैसी मानसिकता के साथ अविश्वास और द्रोह की भावना रखता आया है । चार युद्धों के अलावा शायद ही कोई ऐसा दिन बीतता होगा जब भारत की सीमा पर पाकिस्तान की ओर से शत्रुता भरी कोई छोटी-बड़ी घटना न होती रही हो । इसके बावजूद एक अच्छे पड़ोसी मान कर पाकिस्तान के साथ भारत संवाद और सहयोग के लिए सदा तत्पर रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान की तरफ से नकारात्मक रवैया अपनाया जाता रहा है। साथ ही वह भारत के बारे में दुष्प्रचार के साथ छद्म युद्ध भी चलाता रहा है । ध्यातव्य है कि पाकिस्तान के अनेक प्रांत अपनी समस्याओं के चलते अलगाववादी राह अपनाते रहे हैं । आजकल बलूच समुदाय की स्वतंत्रता की मांग जगजाहिर है । सच कहें तो आंतरिक अस्थिरता और आपसी मनमुटाव जैसे मुद्दों से वहां की सरकार लगातार जूझ रही है । ऐसे माहौल में सेना का राजनीतिक वर्चस्व बढ़ता रहता है और प्रधानमंत्री सिर्फ कुर्सीदार हो कर रह जाता है । सेना के महत्वाकांक्षी जनरल मौका देख राजनेता को आसानी से बेदखल कर तख्तनशीं बन कर राज करने लगता है । इस सिलसिले में आतंक और आतंकवादी तत्व भी सक्रिय होते रहे हैं जो पाकिस्तान के अंदर और बाहर ऊधम मचाने का काम करते हैं। इनके अलग–अलग स्रोत हैं। परंतु इन सब के ऊपर सरकार का आतंक को जायज मान कर अपनाना खतरनाक पहल है। सरकारी आतंक का प्रायोजित होना किसी भी सभ्य सरकार के लिए शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है । सरकारपोषित आतंक की ताजी घटना पिछले महीने कश्मीर के पहलगाम नामक रमणीक स्थान पर हुई। यहां आतंकियों ने पर्यटन पर आए दो दर्जन से अधिक निहत्थे नागरिकों की गोली मार कर जघन्य हत्या कर दी। इस बर्बर घटना ने सभ्य समाज की आचरण की सारी हदों को पार कर दिया। इस दुर्घटना ने सभी भारतीयों को चोट पहुंचाई और यह सोचने पर मजबूर किया कि इस असह्य आतंक का प्रतिकार आवश्यक है। भारत ने संयम से काम लिया और सरकार ने गंभीर विचार-विमर्श के बाद आतंक के उन्मूलन के लिए जरूरी सैन्य कारवाई का निश्चय किया। आपरेशन सिंदूर चलाया गया और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। इस कारवाई में इस बात को सुनिश्चित करने की पूरी चेष्टा की गई कि आम पाकिस्तान के नागरिकों को कोई आघात न पहुंचे। पाकिस्तान को यह आतंकविरोधी प्रयास नागवार गुजरा और उसने आक्रामक रुख अपनाया। फाइटर जेट, ड्रोन और मिसाइल की सहायता से पाक सेना ने आक्रमण किया जिसको भारत के मुस्तैद सैन्य बलों ने पूरी तरह से विफल कर दिया पाकिस्तान की सेना को कई जेट और सुरक्षा प्रणाली से हाथ धोना पड़ा। सभी मतभेदों से ऊपर उठ कर पूरे भारत ने भारत की सेना की कारवाई का हृदय से स्वागत किया। आपरेशन सिंदूर सरकार और सेना के बेहतरीन सहयोग, तालमेल और समझदारी का बेजोड़ नमूना साबित हुआ। पिछले कुछ दिनों में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री की मीडिया पर आतंक में सरकार के शामिल होने की खुले आम स्वीकारोक्ति सुन कर लोग दंग रह गए । भारत की सीमा पर आतंकवादी घटनाएं लगातार होती रही हैं और सीमा पार के इलाकों में आतंकवादी संगठनों को धन, प्रशिक्षण और साजो-सामान से लैस कर तरह-तरह से सरकती प्रश्रय दिया जाता रहा है । सरकार, सेना और आतंकी तीनों का मेल क्या कुछ कर सकता है यह पाकिस्तान के द्वारा किए जाने वाले कई हस्तक्षेप की घटनाओं से प्रमाणित है। मुंबई, पुलवामा और अब पहलगाम की घटनाओं से पाकिस्तान की सरकारी दहशतगर्दी की पुष्टि करते हैं जो अक्षम्य है । भारत सदैव आतंकवाद का विरोध करता रहा है और उसे रोकने के लिए प्रतिबद्ध है । यह आततायी से आत्मरक्षा का प्रश्न बन चुका है । भारत ने पाकिस्तान को नियंत्रित करने के लिए आर्थिक और राजनैतिक प्रतिबंध लागू करने कई कदम उठाए। आतंकवाद को समाप्त करने की दृष्टि से उनके लिए स्थापित प्रशिक्षण केंद्रों को ठिकाने लगाने के लिए भारत ने आपरेशन सिंदूर चलाया, जिसके तहत सेना की गई सटीक और केंद्रित कारवाई में पाकिस्तान के आतंकवाद के अनेक केंद्रों को नष्ट किया और अनेक आतंकी हताहत हुए । मीडिया की खबरों से यह भी पता चला कि इन आतंकियों के जनाजों में सरकार और सेना के कई उच्चाधिकारी भी शामिल हुए और आतंकियों को राजकीय सम्मान के साथ गार्ड ऑफ आनर भी दिया गया । आतंक के प्रति खास आकर्षण के बावजूद पाकिस्तान के राजनेताओं को लगा कि युद्ध से कोई लाभ नहीं होगा और वे संघर्ष-विराम के लिए राजी हो गए। कुछ घंटों बाद सीमा के कई क्षेत्रों से संघर्ष विराम के उल्लंघन की खबरें भी आईं। उसके बाद फिलहाल शांति दिख रही है। पाकिस्तान सरकार और सेना के रुख को देखते हुए यह तनाव क्या रूप लेगा कहना कठिन है। भारत का राष्ट्रीय नेतृत्व सतर्क और तत्पर ढंग से सामरिक तैयारी की ओर ध्यान देता रहा है और आतंक के प्रतिरोध के लिए यत्न करने के साथ अंतरराष्ट्रीय राजनय को साथ ले चलने की कोशिश भी करता रहा है। इन प्रयासों के परिणाम भी हमारे सामने हैं। आज देश एकजुट होकर आतंकवादी कोशिशों को समाप्त करने के लिए दृढ़ है। इस अवसर पर पीछे हटना दुर्बलता होगी। इसलिए हमारा सूत्र होना चाहिए न दैन्यम् न पलायनम् !

सूडोकु नवताल- 7429

★★★★☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7428 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

पहले तो यमुना को नदी बनाएं

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

इस वर्ष हुआ दिल्ली विधानसभा चुनाव बहुत कुछ यमुना नदी जल के पीने, उसमें डुबकी लगाने और हरियाणा से मिलते प्रदूषित पानी के मुद्दों पर भी केंद्रित था। हो भी क्यों न। दिल्ली अपनी एक तिहाई पेयजल आपूर्ति के लिए यमुना पर निर्भर करती है। प्राथमिक रूप से जल की मात्रा और गुणवत्ता वही होती है, जो हरियाणा से मिलता है। उपभोक्ताओं को कितना पानी दिया जा सकेगा यह भी उसी पर निर्भर करता है। कम पानी आ रहा हो तो वजीराबाद जलाशय का जल स्तर गिर जाएगा। सामान्य दिनों में वजीराबाद से पानी निकलने के बाद यमुना में केवल कीचड़ और मलबा रह जाता है। हरियाणा में घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट यमुना में मिलता ही है। सालों से भारी मात्रा में अमोनिया प्रदूषण लिए पानी दिल्ली पहुंचता रहा है। कई बार यह दिल्ली के जलशोधन संयंत्रों की क्षमता से सात-आठ गुणा ज्यादा तक होता है। अमोनिया का स्वीकार्य स्तर केवल 05 पीपीएम है। ऐसे में यमुना में अमोनिया का स्तर नीचे गिरने का इंतजार भी करना पड़ता है किंतु दिल्ली के भीतर हरियाणा से पहुंचे यमुना नदी जल में प्रदूषण भार साठ-सत्तर प्रतिशत बढ़ जाता है। यमुना में उठते गैस के गुब्बारों में भी यमुना का प्रदूषण और उसका दम तोड़ना नंगी आंखों दिख जाता है। ऐसा अमोनिया और फास्फेट के कारण सड़े हुए पेड़-पौधों की सड़न के कारण होता है। जैवीय मल-मूत्र का प्रदूषण दिल्ली में यमुना में काफी ज्यादा है। कॉलिफॉर्म बहुत ज्यादा होने से यमुना में घुली ऑक्सीजन का स्तर गिरा रहता है। नदी जल में ऑक्सीजन की कमी से जलचरों की मौत का आंकड़ा भी बढ़ जाता है। यमुनोत्री से दिल्ली तक की यात्रा में जगह-जगह यमुना जल में सीवर जल, गंदे नालों का मिलना आज भी जारी है। रास्ते में मिलते घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट की भरमार से भूरी-पीली-धूसर-काली होती यमुना में दिल्ली में भारी मात्रा में अनुपचारित और आंशिक उपचारित सीवर जल पहुंचता है। अगस्त, 2024 को डीजेबी ने एनजीटी को दिए शपथपत्र में बताया था कि दिल्ली में चालीस एसटीपी हैं, जिनमें से सारे काम नहीं कर रहे हैं। यमुनोत्री से दिल्ली की राह में यमुना के पानी का डायवर्जन पहली बार उत्तराखंड में ही डाकपत्थर में बिजली उत्पादन के लिए किया जाता है। फिर हरियाणा में हथिनीकुंड और ताजेवाला-यमुनानगर में नहरों के लिए होता है। सूखे के मौसम में बैराज से पानी नहीं छोड़ा जाता है जिससे ताजेवाला और दिल्ली के बीच के कुछ-कुछ हिस्सों में नदी लगभग जलशून्य हो जाती है। जल संसाधन मंत्रालय संबंधी संसदीय स्थाई समिति की रिपोर्ट के अनुसार नदी जल में घुले आक्सीजन की मात्रा की अत्यंत कमी के कारण दिल्ली में यमुना अस्तित्वविहीन सी हो चुकी है। सुझाव दिया गया कि यमुना में ताजा पानी और उसके पानी में घुले ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के लिए काम होने चाहिए। वजीराबाद के परिप्रेक्ष्य में संसदीय समिति का मूल्यांकन था कि वजीराबाद के नीचे यमुना में ताजे पानी की इतनी कमी है कि मानकों के अनुसार सारा सीवेज यदि उपचारित भी होने लगे तब भी यमुना प्रदूषित ही रहेगी। दिल्लीवासियों को जल आपूर्ति एक तरह से यमुना को निचोड़ कर ही हो रही है। हर साल यमुना में कई-कई दिनों तक पानी नहीं केवल कीचड़ ही कीचड़ दिखता है। करीब नौ माह तो यमुना में इतना पानी भी नहीं रहता कि वह ठीक से बह सके। एलगी का भी जमाव होता रहता है। एलगी भी नदी की ऑक्सीजन को कम करती हैं खासकर जब वो सड़ती हैं, उनमें विघटन होता है। वे जल में स्वास्थ्य के लिए घातक प्रदूषण भी पैदा कर सकती हैं। बिना पानी, बिना प्रवाह यमुना को दिल्ली में नदी भी कैसे कहा जाए। सुप्रीम कोर्ट भी कुछ साल पहले यमुना को नाला की संज्ञा दे चुका है। आठ नौ माह तो दिल्ली के भीतर यमुना में ताजा पानी बढ़ाने की संभावनाएं नगण्य ही रहती हैं किंतु सालों साल गाद, मलबा से अटी-पटी होने के कारण जल संग्रहित करने की गहराई कम होने से यमुना को बरसात का भी फायदा नहीं मिलता। तेज बरसात में जल्दी से बाढ़ का उभार होने लगता है। अतः यमुना में ज्यादा पानी नहीं रुक पाता। कूड़ा निकासी हो तो दिल्ली में उसके जलसमेट क्षेत्र से मिलने वाले ज्यादा से ज्यादा बरसाती जल संग्रहण में भी मदद मिलेगी। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा का कहना है कि नई सरकार बनने के दस दिनों में ही यमुना से 13 हजार टन गाद की निकासी हो गई थी। गाद हटाने के काम में यमुना स्वच्छता मिशन बहुत पिछड़ा हुआ था। इसलिए दिल्ली के उपराज्यपाल विनय सक्सेना ने नई राज्य सरकार के गठन से पहले ही अधिकारियों को निर्देश देकर भारी मशीनों से यमुना गाद सफाई का काम प्रारंभ कर दिया था किंतु पूरी निकासी में महीनों लग सकते हैं। किंतु आशा की जानी चाहिए कि आने वाली बरसात में इसका फायदा मिलने लगेगा।

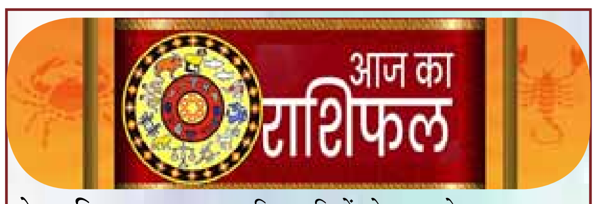

मेष राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आप जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने में सफल होंगे, घर के लिए कुछ नए सामान की खरीदारी करेंगे। आज अपनी योग्यता और सामर्थ्य को पहचाने तथा समय का उचित सदुपयोग करेंगे। आज आप व्यक्तिगत कार्यों के साथ-साथ सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने जैसे कार्यों में भी रुचि लेंगे। आज विद्यार्थियों का पठन-पाठन में ध्यान लगेगा।

वृष राशि : आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज परिवार वालों का सहयोग प्राप्त होगा। आपके मित्र मददगार साबित होंगे। आज ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी। आपकी कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी आज सचेत रहने से समस्याओं को जल्दी सुलझा लेंगे। पारिवारिक अथवा व्यक्तिगत मामलों में दिल की अपेक्षा दिमाग से निर्णय लेंगे तो आप बेहतर नतीजे पर पहुंच पाएंगे।

मिथुन राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। हर काम को सोच-विचार कर करना आपको सफलता देगा। किसी मित्र की मदद से उलझे कार्य सुलझ जाएंगे। आज मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून महसूस करेंगे। आज आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। करियर में आपको सफलता मिलेगी। आज आपको अपने काम को टालने से बचना चाहिए। स

कर्क राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। जीवनसाथी की सलाह व सहयोग आपके लिए लाभदायक रहेंगे। आज काम का बोझ अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना ज्यादा प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा। आज व्यर्थ की बातों पर ध्यान ना देकर आप योगा, मेडिटेशन पर ध्यान देंगे।

सिंह राशि : आज आपके दिन की शुरुआत अच्छी रहेगी। आप आसपास के लोगों के सहयोग से घरेलू कार्य पूरा करने में सफल होंगे। आपको माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। आज कारोबार सम्बन्धी भाग-दौड़ रहेगी। कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश भी करेंगे। अपने निर्णय को ही सर्वोपरि रखें। बड़ा ऑर्डर मिल सकता है। जिससे बहुत फायदा भी होगा।

कन्या राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे। आपको यात्रा से लाभ होगा। आज किसी मुश्किल मुकाम को मेहनत और परिश्रम से हासिल कर लेंगे, सिर्फ हर किसी पर भरोसा ना करें और अपने काम से ही मतलब रखें। आज आत्म मनन करने से मानसिक और आत्मिक सुख-शांति का अनुभव होगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके परिवार के लिए नई खुशियां लाया है। आपका दिन परिवार वालों के साथ बीतेगा। आज आपकी मेहनत व प्रयास के सार्थक परिणाम सामने आएंगे। कुछ खास लोगों से मेलजोल होगा और किसी मांगलिक कार्य संबंधी योजना बनेगी। कुछ नया शुरू करने के लिए समय बहुत ही अनुकूल है।

वृश्चिक राशि : आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपका काम करने का जुनून आपको निश्चित ही उपलब्धि हासिल करवाएगा, लेकिन बड़ा सौदा करने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल अवश्य करें। पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा। आज व्यापार के मामलों में आपके मन में नए-नए विचार आयेंगे।

धनु राशि : आज आपका दिन उत्तम रहने वाला है। कार्यस्थल पर काम रोज की तुलना में बेहतर तरीके से होगा। आज जीवनसाथी आपकी बहुत तारीफ करेंगे। आज किसी खास निर्णय को लेकर माता-पिता से विचार-विमर्श करेंगे, साथ ही किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह से उनका निवारण भी होगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपकी इच्छाओं की पूर्ति होगी। आज किसी भी कार्य को लेकर सतर्कता रखने से आप कई परेशानियों से बच सकते हैं। आज आप अपनी मेहनत और योग्यता से निश्चित ही सफलता हासिल करेंगे। किसी नई योजना पर भी कार्य शुरू होगा। बिजनेस के सिलसिले में आपको विदेश यात्रा करनी पड़ सकती है, जो आपके लिए काफी लाभदायक रहेगी।

कुंभ राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज ऑफिस के सहकर्मी आपके कामों में सहयोग करेंगे, आपका काम जल्दी पूरा हो जाएगा। आज महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय अपने बजट का भी ध्यान रखें, क्योंकि खर्चों की स्थिति बढ़ती नजर आ रही है। आज सामाजिक कार्यों में आप बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेंगे।

मीन राशि: आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होगा। पारिवारिक कामों को करने में घर के सदस्यों का सहयोग मिलेगा। किसी अनजान से निजी समस्याओं को शेयर करने से बचना चाहिए। जीवन स्तर को और अधिक बेहतर बनाने के लिए परिवार जनों के साथ विचार करेंगे, साथ ही मीडिया अथवा संपर्क सूत्रों द्वारा नई-नई जानकारियां मिलेंगी जो कि फायदेमंद साबित होगी।

भारत में उत्पन्न समस्त मत-पंथ विश्व में शांति चाहते हैं

प्रहलाद सबनानी

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक हैं एवं यह भारत का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है। भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है। भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है। भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं। भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत "वसुधैव कुटुंबकम", "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय", "विश्व का कल्याण हो", "किसी भी जीव का अहित न हो" जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल को आगे बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है। सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं - (i) यज्ञ - जिसका आशय है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (ii) दान - समाज की सहायता करना। (iii) तप - अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (iv) सत्यम् - सत्य के मार्ग पर चलना। (v) क्षमा -दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (vi) दंभ - इंद्रियों को वश में रखना। (vii) आलोभ - लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (viii)

अध्ययन - स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। धर्म की इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही, विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी, आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमेटिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड। यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है। भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्व कम है, जबकि सेमेटिक धर्मों में कर्मकांड की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं जिन पर चलकर मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही सम्भव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है। भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंचीं स्मृति मंधाना

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में अपनी मैच जिताऊ शतकीय पारी की बदौलत बल्लेबाजों की आईसीसी महिला वनडे रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। श्रीलंका के खिलाफ फाइनल में 116 रन की पारी खेलते हुए मंधाना ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उन्होंने अर्धशतक भी लगाया था। इस शानदार प्रदर्शन के बाद मंधाना ने 727 रेटिंग अंक प्राप्त किए हैं और वह अब नंबर एक बल्लेबाज लौरा वोल्वार्ड्ट से केवल 11 अंक पीछे हैं। मंधाना की टीम की साथी जेमिमा रोड्रिग्स भी अपनी शानदार 123 रनों की पारी की बदौलत 5 स्थान ऊपर चढ़कर करियर के सर्वोच्च 15वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वहीं, दीप्ति शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 93 रन बनाकर 13 स्थान ऊपर चढ़ते हुए संयुक्त 32वें स्थान पर पहुंची हैं। रनर-अप श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने 2 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त सातवां स्थान प्राप्त किया है जबकि विश्मी गुनारत्ने 8 स्थान ऊपर चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गई हैं। अनुश्का संजीवनी ने सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए 19 स्थान ऊपर चढ़कर 75वें स्थान पर जगह बनाई है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका का टीम प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन उनके बल्लेबाजों ने व्यक्तिगत तौर पर

अच्छा प्रदर्शन किया। उप-कप्तान क्लोई ट्रायन ने 67 और 74 रनों की पारी खेली और 9 स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। ट्रायन ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में हैट्रिक भी ली, जिसके बाद वह 14 स्थान ऊपर चढ़कर 50वें स्थान पर आ गईं। साथ ही उन्होंने ऑलराउंडर्स की सूची में 3 स्थान ऊपर चढ़कर 11वां स्थान हासिल किया।

आलराउंडर और गेंदबाजों की रैंकिंग में भी बदलाव- ट्रायन की साथी ताजमिन ब्रिट्स, अनेरी डर्कसेन और नाडिन डी क्लर्क भी क्रमशः 32वें, 50वें और 54वें स्थान पर पहुंची हैं। डर्कसेन ने ऑलराउंडर्स सूची में 19 स्थान की छलांग लगाई और 44वें स्थान पर पहुंची हैं। महिला वनडे गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप 20 में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन भारत की स्नेह राणा 4 स्थान ऊपर चढ़कर करियर की सर्वोत्तम संयुक्त 34वें स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका की सुगांदिका कुमारी भी 4 स्थान ऊपर चढ़कर 37वें स्थान पर आ गई हैं।

दिल्ली कैपिल्स को अब स्टार्क के बिना ही खेलना होगा

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का बचा हुआ सत्र शीघ्र शुरु होने की संभावनाएं हैं पर इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स को अब लगता है कि अपने तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बिना ही खेलना पड़ सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बची सभी विदेशी खिलाड़ी स्वदेश लौट गये थे। उन्ही में स्टार्क भी थे। अब जो संकेत मिले हैं उससे साफ है कि स्टार्क अब शायद आईपीएल के बाकी बचे मैचों के लिए भारत लौटने वाले नहीं हैं। पिछले सप्ताह युद्ध जैसी स्थिति को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया के ज्यादातर खिलाड़ियों ने अपनी देश लौटने में ही भलाई समझी थी। रविवार को मिचेल स्टार्क अपनी पत्नी एलिसा हीली के साथ सिडनी पहुंच गए, जहां उन्होंने मीडिया से बात नहीं की पर उनके मैनेजर ने कहा कि वह पिछले दिन के तनाव के कारण डरे हुए और परेशान हैं। इसलिए बचे हुए सत्र के लिए वह जायं ऐसे संभावना नहीं है।

पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच को ब्लैकआउट के कारण बीच में ही रद्द किया गया था तो हर किसी को लग रहा था कि टूर्नामेंट को स्थगित किया जाएगा। शुक्रवार की दोपहर को बीसीसीआई ने एक सप्ताह के लिए आईपीएल के स्थगित पर अगले ही दिन शनिवार 10 मई को संघर्ष विराम की घोषणा हो गयी। ऐसे में टूर्नामेंट के फिर से शुरू होने की बात सामने आई। इसके बाद टीमों ने विदेशी खिलाड़ियों से संपर्क किय पर वे उत्सुक नहीं दिखे। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) अपने खिलाड़ियों को वापसी के बारे में व्यक्तिगत निर्णय लेने का अधिकार दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने जोर देकर कहा है कि इस तरह के विकल्पों से आईपीएल में भविष्य के चयन या बीसीसीआई के साथ संबंधों पर असर नहीं पड़ना चाहिए, क्योंकि खिलाड़ी कठिन हालातों के कारण वापस आये हैं।

कोहली के संन्यास से रहाणे को मिल सकता है अवसर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के संन्यास लेने से अब चयनकर्ता किसी अनुभवी बल्लेबाज की तलाश करेंगे। ऐसे में लंबे समय से टीम में वापसी का प्रयास कर रहे आजिंक्य रहाणे को टीम में जगह मिल सकती है। रहाणे ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया है। आईपीएल में भी उनका अब तक अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में अगले माह होने वाले इंग्लैंड दौरे के लिए वह टीम में जगह पाने के प्रबल दावेदार उभरे हैं। विराट कोहली से पहले रोहित शर्मा पहले ही टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। इन दो दिग्गजों के एकसाथ जाने से भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों की कमी हो गयी है। ऐसे में रहाणे के अलावा चेतेश्वर पुजारा के लिए टीम में राह बन सकती

है। इसका कारण है कि ये दोनों ही इंग्लैंड में भारतीय टीम के मध्य क्रम को मजबूत बना सकते हैं। इंग्लैंड में मुश्किल विकेटों को देखते हुए जो सीम और स्विंग के लिए अनुकूल हैं। रोहित की अनुपस्थिति में भारत को कोहली जैसे अनुभवी और तकनीकी रूप से मजबूत बल्लेबाज की मदद की आवश्यकता थी। ऐसे में जब ये दोनो ही नहीं हैं। रहाणे मध्यक्रम को संभाल सकते हैं। वह जुलाई 2023 से टीम इंडिया से बाहर हैं. रहाणे का इंग्लैंड के खिलाफ हालांकि रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। उन्होंने इंग्लैंड में लॉर्ड्स में सिर्फ एक शतक लगाया है लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लॉर्ड्स में 2023 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में उन्होंने 89 और 46 रन बनाए थे। . रणजी ट्रॉफी में रहाणे ने 9 मैचों में 35.92 की औसत से 467 रन बनाए। ऐसे में सबके उनकी मौजूदगी से टीम को मजबूती और अनुभव मिलेगा। वहीं पुजारा की ऑस्ट्रेलिया में 2020-21 में भारत की टेस्ट सीरीज़ में अहम भूमिका रही। पुजारा के नाम पर भी बीसीसीआई इंग्लैंड दौरे के लिए विचार कर सकती है। पुजारा ने पूर्व में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया है। उन्होंने 39.51 की औसत से 1778 रन बनाए हैं।

आईपीएल 2025 : गुजरात टाइटन्स टीम से 14 मई को जुड़ेंगे बटलर, कोएट्जी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के बल्लेबाज जोस बटलर और दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज जेराल्ड कोएट्जी 14 मई को गुजरात टाइटंस की टीम से दोबारा जुड़ेंगे। आईपीएल 2025 के 17 मई से फिर शुरू होने से पहले ये दोनों विदेशी खिलाड़ी टीम में वापसी करेंगे। ये दोनों ही खिलाड़ी 9 मई को भारत-पाकिस्तान के बीच सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण आईपीएल के एक सप्ताह के लिए निलंबन के बाद भारत से रवाना हुए थे। गुजरात टाइटंस के अन्य विदेशी खिलाड़ी राशिद खान, शेर्फेन रदरफोर्ड, कागिसो रबाडा और करीम जनत - उस दौरान टीम के साथ भारत में ही बने रहे। हालांकि रदरफोर्ड को वेस्टइंडीज की वनडे टीम में इंग्लैंड दौरे (29 मई से 3 जून) के लिए चुना गया है। यह सीरीज आईपीएल

2025 के प्लेऑफ चरण से टकरा सकती है। ऐसे में उनका टूर्नामेंट में आगे खेलना संदिग्ध है। इंग्लैंड ने अब तक इस सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा नहीं की है, लेकिन जोस बटलर का उस टीम में चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है। गुजरात टाइटंस फिलहाल आईपीएल 2025 की पॉइंट्स टेबल में 16 अंकों के साथ टॉप पर है। नेट रन रेट के आधार पर गुजरात, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से आगे है। लीग चरण में गुजरात को अब तीन मुकाबले और खेलने हैं। गुजरात टाइटंस अपना अगला मुकाबला 18 मई को दिल्ली में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम अपने दो होम मैच अहमदाबाद में खेलेगी— 22 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और 25 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ। आईपीएल ने सोमवार को सीजन के बचे हुए मैचों का संशोधित कार्यक्रम जारी किया। इसमें 13 लीग मुकाबले और चार प्लेऑफ मैच शामिल हैं। बाकी बचे लीग मुकाबले दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, अहमदाबाद, मुंबई और बेंगलुरु में खेले जाएंगे। हालांकि प्लेऑफ के स्थानों की घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन तारीखें तय हैं, जो इस प्रकार हैं:

क्वालीफायर 1 - 29 मई
एलिमिनेटर - 30 मई
क्वालीफायर 2 - 1 जून

अब अगस्त में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे रोहित

नई दिल्ली। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने पिछले सप्ताह टेस्ट प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। ऐसे में अब वह इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। रोहित अब अगस्त में ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखेंगे। भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश के दौरे पर जाएगी। जिससे रोहित टीम की कप्तानी करते दिखेंगे। भारतीय टीम को इस दौरे में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैच खेलने हैं। रोहित इस दौरे में एकदिवसीय सीरीज में कप्तानी करेंगे। वह 2027 विश्व कप तक एकदिवसीय प्रारुप खेलना चाहते हैं। वहीं टी20 प्रारुप की कप्तानी सूर्यकुमार यादव करेंगे। भारतीय टीम का बांग्लादेश का दौरान 17 अगस्त से शुरू होगा। सीरीज का पहला एकदिवसीय ढाका के शेर ए

बांग्ला स्टेडियम में खेला जाएगा जबकि दूसरा एकदिवसीय मैच 20 अगस्त को इसी स्थल पर होगा. सीरीज का तीसरा और आखिरी एकदिवसीय मैच 23 अगस्त को चटगांव में खेला जाएगा। इसके बाद टी20 सीरीज खेली जाएगी पर इसमें रोहित टीम के साथ नहीं होंगे क्योंकि उन्होंने पिछले साल ही टी20 प्रारुप को अलविदा कह दिया था। भारत और बांग्लादेश के बीच 42 एकदिवसीय खेले जा चुके हैं जहां भारत ने 33 मैच जीते हैं जबकि बांग्लादेश ने 8 जीते है जबकि एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकला है।

व्यापार

देश के प्रमुख बंदरगाहों ने वित्त वर्ष 2024-25 में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल कीं

नई दिल्ली। भारत के प्रमुख बंदरगाहों ने कार्गो हैंडलिंग में 4.3 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 819 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 855 मिलियन टन हो गई। ये वृद्धि बढ़ते व्यापार वॉल्यूम को समायोजित करने में प्रमुख बंदरगाहों की लचीलापन और क्षमता को उजागर करती है। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि देश के प्रमुख बंदरगाहों ने पिछले दशक में लगातार उल्लेखनीय प्रगति प्रदर्शित की है। जहाज से माल ढुलाई, परिचालन दक्षता और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण के मामले में वित्त वर्ष 2024-25 उपलब्धि पत्थर वर्ष के रूप में उभरा है। देश के प्रमुख बंदरगाहों के यातायात में ये वृद्धि पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उच्च कंटेनर थ्रूपुट (10 फीसदी), उर्वरक कार्गो हैंडलिंग (13 फीसदी), पीओएल कार्गो हैंडलिंग (3 फीसदी) और विविध वस्तुओं की हैंडलिंग (31 फीसदी) के कारण हुई। मंत्रालय ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में प्रमुख बंदरगाहों ने जहाज से माल ढुलाई (कार्गो हैंडलिंग) में 4.3 फीसदी की प्रभावशाली वार्षिक वृद्धि दर दर्ज की है। वित्त वर्ष 2023-24 में जहाज से माल ढुलाई 819 मिलियन टन से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 855 मिलियन टन हो गई। यह वृद्धि बढ़ते व्यापार को समायोजित करने में प्रमुख बंदरगाहों की सुदृढता और क्षमता को उजागर करती है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में कार्गो ट्रैफिक में वृद्धि

उच्च कंटेनर प्रवाह क्षमता (थ्रूपुट) (10 फीसदी), उर्वरक कार्गो परिवहन (13 फीसदी), पीओएल कार्गो परिवहन (3 फीसदी) और विविध वस्तुओं के परिवहन (31 फीसदी) की वजह से थी। प्रमुख बंदरगाहों पर वित्त वर्ष 2024-25 में जिन वस्तुओं की ढुलाई की गई उनमें पेट्रोलियम, तेल और स्नेहक (पीओएल) जैसे कच्चा तेल, पेट्रोलियम उत्पाद तथा एलपीजी/एलएनजी शामिल हैं, जो 254.5 मिलियन टन (29.8 फीसदी) की मात्रा के साथ चार्ट में सबसे आगे हैं। इसके बाद कंटेनर ढुलाई 193.5 मिलियन टन (22.6 फीसदी), कोयला 186.6 मिलियन टन (21.8 फीसदी) हैं। इसके अलावा लौह अयस्क, छर्रे, उर्वरक, उत्यादि जैसी अन्य वस्तुओं का परिवहन भी शामिल है। वहीं, वित्त वर्ष 2024-25 में कार्गो की प्रवाह क्षमता और परिचालन प्रदर्शन में नई ऊंचाई दर्ज की गई। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने कहा कि बंदरगाह आधारित औद्योगिकीकरण के लिए 7565 करोड़ रुपये मूल्य की 962 एकड़ बंदरगाह भूमि आवंटित की गई है। इसमें 68,780 करोड़ रुपये की निवेश क्षमता है। वित्त वर्ष 2023-24 में जहाज से माल ढुलाई 819 मिलियन टन से ढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 855 मिलियन टन हुई है, जो 4.3 फीसदी की वार्षिक वृद्धि है।

उत्पादकता संकेतकों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआः

- पिछले दशक के दौरान प्रति जहाज बर्थ दिवस (ओएसबीडी) उत्पादन 12,458 टन से बढ़कर 18,304 टन हो गया।
- औसत टर्नअराउंड समय (टीआरटी-जहाज पर से माल उतारने और लादने में लगने वाला समय) में 48 प्रतिशत सुधार हुआ, जो वित्त वर्ष 2014-15 में 96 घंटे से घटकर वित्त वर्ष 2024-25 में 49.5 घंटे हो गया।
- प्री-बर्थिंग डिटेंशन (पीबीडी) समय (बंदरगाह की वजह से) में लगभग 24 प्रतिशत सुधार हुआ, जो वित्त वर्ष 2014-15 में 5.02 घंटे से घटकर वित्त वर्ष 2024-25 में 3.8 घंटे रह गया।

खुदरा महंगाई दर अप्रैल में घटकर छह साल के निचले स्तर 3.16 फीसदी पर आई

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर लोगों को राहत देने वाली खबर है। खुदरा महंगाई दर अप्रैल में घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो करीब 6 साल का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट की मुख्य वजह सब्जियों, फलों, दालों और अन्य प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आना है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर अप्रैल में सलाना आधार पर घटकर 3.16 फीसदी पर आ गई है, जो करीब 6 साल का सबसे निचला स्तर है। इससे पहले मार्च, 2025 में खुदरा महंगाई की दर 3.34 फीसदी रही थी। अप्रैल 2024 में यह 4.83 फीसदी थी, जबकि जुलाई 2019 में यह दर 3.15 फीसदी थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के जारी आंकड़ों के

मुताबिक अप्रैल में खाद्य महंगाई केवल 1.78 फीसदी रही, जो मार्च में 2.69 फीसदी और पिछले साल अप्रैल में 8.7 फीसदी रही थी। वहीं, अप्रैल में ग्रामीण महंगाई दर 3.25 फीसदी से घटकर 2.92 फीसदी हो गई है, जबकि शहरी महंगाई 3.43 फीसदी से घटकर 3.36 फीसदी पर आ गई है। इस तरह यह दर रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की तय सीमा के भीतर है, जो 4 फीसदी के आसपास रहती है।

उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सीपीआई आधारित खुदरा महंगाई दर को 4 फीसदी के आसपास बनाए रखने का अनुमान जताया है। पहली तिमाही में महंगाई 3.6 फीसदी, दूसरी तिमाही में 3.9 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.8 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.4 फीसदी रहने की संभावना है।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 1,282 अंक लुढ़का

नई दिल्ली/मुंबई। शेयर बाजार हफ्ते के पहले कारोबारी दिन की रिकॉर्ड तेजी के बाद दूसरे दिन मंगलवार को बड़ी गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1,282 अंक लुढ़क गया। आईटी और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से बाजार नुकसान में रहा। 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 1,281.68 अंक यानी 1.55 फीसदी का गोता लगाते हुए 81,148.22 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,386.21 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 346.35 अंक यानी 1.39 फीसदी फिसल कर 24,578.35 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के

30 शेयरों में से 25 शेयर में गिरावट रही। इंफोसिस, पावर ग्रिड और जोमैटो के शेयर करीब 3.6 फीसदी नीचे गिरकर बंद हुए। हालांकि, एचसीएल टेक और टीसीएस सहित कुल 5 शेयरों में करीब तीन फीसदी की तेजी रही। सनफार्मा, अडाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, एसबीआई और टेक महिंद्रा में मामूली तेजी रही। वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 35 शेयर में गिरावट रही। एनएसई के आईटी इंडेक्स में 2.42 फीसदी की सबसे ज्यादा गिरावट रही। ऑटो, रियल्टी, मेटल और एफएमसीजी इंडेक्स एक फीसदी गिरे। वहीं, मीडिया बैंकिंग और हेल्थकेयर सेक्टर में 1.5 फीसदी की तेजी देखने को मिली। उल्लेखनीय है कि हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 2975 अंक यानी 3.74 फीसदी चढ़कर 82,430 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 917 अंक यानी 3.82 फीसदी की तेजी के साथ 24,925 के स्तर पर बंद हुआ था।

भारत ने डब्ल्यूटीओ में अमेरिका पर जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा

नई दिल्ली। अमेरिका के स्टील पर शुल्क लगाने के फैसले के बाद भारत भी अब अमेरिकी उत्पादों पर टैरिफ लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। भारत ने विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में स्टील और एल्युमीनियम पर अमेरिका के खिलाफ जवाबी टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि भारत ने विश्व व्यापार संगठन को दिए नोटिस में कहा है कि भारत छूट को समाप्त कर कुछ अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ा सकता है। भारत ने डब्ल्यूटीओ को स्टील और एल्युमीनियम पर वाशिंगटन के शुल्कों के जवाब में कुछ अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने का प्रस्ताव किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ व्यवस्था के खिलाफ उसकी पहली जवाबी कार्रवाई है, जबकि दोनों देश व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के करीब पहुंच रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत का यह फैसला व्यापार हित की रक्षा और वैश्विक व्यापार नियमों के तहत अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है। हालांकि, भारत का कहना है कि ये शुल्क एल्यूमिनियम और स्टील पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में होगा। भारत ने डब्लूटीओ को बताया

है कि अमेरिका भारतीय स्टील और एल्युमीनियम के निर्यात पर शुल्क वसूल रहा है। भारत का कहना है कि अमेरिका के स्टील और एल्युमीनियम उत्पादों पर शुल्क लगाए जाने से उसके करीब 7.6 अरब डॉलर के निर्यात पर असर पड़ा है लेकिन अमेरिका को इस ड्यूटी से 1.91 अरब डॉलर प्राप्त हुए हैं। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया में कच्चे इस्पात का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। विश्व व्यापार संगठन को दिए गए प्रस्ताव में भारत ने यह दावा किया है कि अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ के सामान्य व्यापार और टैरिफ समझौते (GATT) 1994 और सुरक्षा उपाय पर समझौते का उल्लंघन किया है।

सोने और चांदी की कीमतों में फिर लौटी तेजी

नई दिल्ली। सोने की कीमतों ने एक दिन की राहत के बाद मंगलवार को फिर रफ्तार पकड़ ली है। सोमवार को सोने और चांदी की कीमत में भारी गिरावट देखने को मिली थी। मंगलवार को

एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.33 फीसदी चढ़ा है जो कि 93,211 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंचा गया। इसी तरह चांदी में भी 1.57 फीसदी की तेजी आई है और ये 96,837 रुपए प्रति किग्रा पर है। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमत 3,400 रुपए की भारी गिरावट के साथ 96,550 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 3,400 रुपए गिरकर 96,100

- **सोने का भाव 93,211 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी 96,837 रुपए प्रति किग्रा**

रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। यह 23 जुलाई, 2024 को सोने की कीमतों में 3,350 रुपए की गिरावट के बाद से 10 माह की सबसे बड़ी गिरावट है। शनिवार को 99.9 और 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 99,950 रुपए और 99,500 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

प्रदीप रंगनाथन की पैन इंडिया फिल्म डूड से फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

प्रदीप रंगनाथन, ममिता बैजू, कीर्तिश्वरन, मैथ्रि मूवी मेकर्स पैन इंडिया फिल्म ड्यूड फर्स्ट लुक का अनावरण, दुनिया भर में बड़े पैमाने पर दिवाली रिलीज 2025 के लिए तैयार। लव टुडे में अपनी सनसनीखेज शुरुआत के बाद, जहाँ उन्होंने एक अभिनेता और निर्देशक दोनों के रूप में प्रभावित किया, प्रदीप रंगनाथन ने ड्रैगन की द्विभाषी सफलता के साथ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा है। इस फिल्म ने तमिल और तेलुगु दर्शकों के बीच उनकी बढ़ती प्रतिष्ठा को मजबूत किया। लगातार दो हिट फिल्मों के बाद, प्रदीप वर्तमान में एक पैन इंडिया वेंचर में अभिनय कर रहे हैं, जिसका निर्माण प्रसिद्ध बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा किया गया है। आगामी फिल्म में कीर्तिस्वरन को निर्देशक के रूप में भी पेश किया जाएगा। प्रेमलु ब्यूटी ममिथा बैजू मुख्य महिला की भूमिका में हैं, जबकि वरिष्ठ अभिनेता सरथ कुमार फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। निर्माताओं ने आज आधिकारिक तौर पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया, साथ ही इसका आकर्षक फर्स्ट लुक जारी किया और इसकी रिलीज की तारीख के बारे में एक बड़ी घोषणा की। युवाओं को आकर्षित करने वाली ड्यूड नामक इस फर्स्ट लुक पोस्टर में प्रदीप रंगनाथन एक गंभीर अवतार में दिखाई दे रहे हैं, उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं और उनके चेहरे पर धैर्य की झलक है, जबकि उन्होंने अपने हाथ में मंगलसूत्र पकड़ रखा है। जैसा कि शीर्षक और फर्स्ट लुक पोस्टर से पता चलता है, ड्यूड एक आधुनिक मोड़ के साथ एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म बनने जा रही है। यह फिल्म दिवाली 2025 के लिए दुनिया भर में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य त्यौहारी सीज़न को रोशन करना है। मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपनी आगामी द्विभाषी फिल्म के लिए उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकारों की एक गतिशील टीम को एक साथ लाया है। संगीत की कमान तेजी से उभरते संगीतकार साई अभ्यंकर के हाथों में है, जबकि दृश्य सौंदर्यशास्त्र का जिम्मा सिनेमैटोग्राफर निकेथ बोम्मी को सौंपा गया है। फिल्म की दुनिया को प्रोडक्शन डिजाइनर लता नायडू द्वारा गढ़ा जाएगा, जबकि संपादन की कमान बरथ विक्रमन संभालेंगे। फिल्म का निर्माण कार्य पहले से ही जोरों पर चल रहा है, और टीम दिवाली के लिए एक बेहतरीन मनोरंजन देने के लिए तेजी से काम कर रही है। फिल्म डूड तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी।

सुधीर बाबू का जटाधरा से फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज

सोनाक्षी सिन्हा हैं फिल्म की हीरोइन

अभिनेता सुधीर बाबू का आज 11 मई को जन्मदिन है। इस मौके पर सुधीर की आगामी फिल्म जटाधरा के मेकर्स ने उनके प्रशंसकों को तोहफा दिया है। फिल्म से सुधीर का लुक शेयर किया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी किया गया है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी जटाधरा में अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पोस्टर जी स्टूडियोज साउथ के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसके साथ लिखा है, सुधीर बाबू शिव के रूप में। समय से परे एक यात्रा। सुधीर बाबू को जन्मदिन की शुभकामनाएं। पोस्टर पर सुधीर बाबू आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म जटाधारा एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है, जो प्राचीन रहस्यों पर आधारित है। जी स्टूडियोज, उमेश केआर

बंसल और प्रेरणा अरोरा द्वारा प्रस्तुत फिल्म जटाधारा में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। इनके अलावा शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णन, रवि प्रकाश, झांसी लक्ष्मी, सुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म का निर्माण शिविन नारंग और अरुणा अग्रवाल ने किया है। अक्षय केजरीवाल, दिव्या विजय और कुसुम अरोरा सह-निर्माता हैं। जटाधारा के जरिए सोनाक्षी साउथ में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 45 दिनों में शूट की गई यह फिल्म अब हैदराबाद में अपने अंतिम 10 दिनों के शेड्यूल में प्रवेश कर रही है। इसकी कहानी काफी दिलचस्प बताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण कर रहे हैं। फिलहाल सुधीर बाबू को फैंस पोस्ट पर बधाई दे रहे हैं। साथ ही पोस्टर पर भी सकारात्मक प्रतक्रिया आ रही हैं।

डीप नेक ब्लू कट-आउट ड्रेस में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज़, ओटीटी पार्टी में बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं. उन्होंने हाल ही में हंगामा ओटीटी की सक्सेस पार्टी में शिरकत की, जहां उनका डीप नेक ब्लू कट-आउट ड्रेस वाला बोल्ड लुक सबका ध्यान खींचता नजर आया. इस लुक में कंगना ने सिल्वर क्लच और स्टाइलिश ज्वेलरी

के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया. कंगना ने इस बोल्ड अंदाज़ का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसमें वो कैमरे के सामने कॉन्फिडेंस के साथ पोज देती दिख रही हैं. उनके लुक की खास बात थी उनकी डार्क ब्लू लिपस्टिक, जो पूरे आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच करती नजर आई. उनके इस ग्लैमरस अवतार को देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं और कमेंट बॉक्स में फायर और हार्ट इमोजी की बरसात हो रही है. इस पोस्ट पर अब तक हजारों लाइक्स आ चुके हैं और लगातार लोग उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं. किसी ने उन्हें बोल्ड ब्यूटी कहा तो किसी ने गॉर्जियस बताकर उनके फैशन सेंस की सराहना की.कंगना शर्मा इससे पहले भी कई बार अपने ड्रेसिंग सेंस और स्टाइलिश लुक्स को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं. उनका ये लेटेस्ट अवतार यह साबित करता है कि वो हर इवेंट में अपने स्टाइल से चार चांद लगाना अच्छे से जानती हैं.

भारत-पाकिस्तान तनाव पर आलिया भट्ट का भावुक पोस्ट

पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाकर पाकिस्तान में बैठे आतंकियों के आकाओं को करारा जवाब दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर मनोरंजन जगत के कई कलाकार सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट शेयर कर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। अब अभिनेत्री आलिया भट्ट ने इस बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। हालांकि, इस पोस्ट के बाद आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा है। आलिया ने अपनी पोस्ट में लिखा, "पिछली कुछ रातें बहुत अलग सी रही हैं। जब पूरा देश सांसें थामे किसी खबर का इंतजार करता है, तो माहौल में एक अजीब सी खामोशी भर जाती है। बीते दिनों हमने भी वही खामोशी महसूस की है, वो अनकही बेचैनी, जो मन में घर कर जाती है। हम

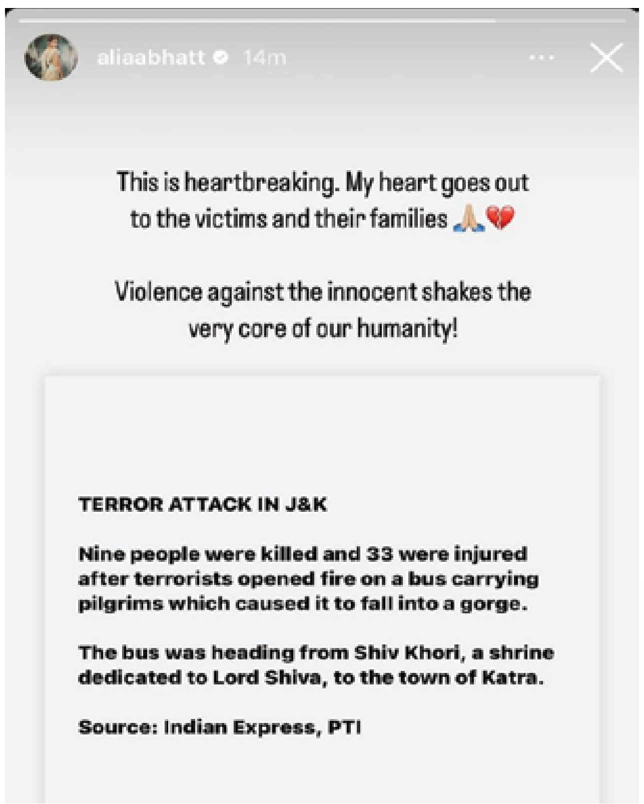
aliaabhatt 14m

This is heartbreaking. My heart goes out to the victims and their families 🙏💔

Violence against the innocent shakes the very core of our humanity!

TERROR ATTACK IN J&K

Nine people were killed and 33 were injured after terrorists opened fire on a bus carrying pilgrims which caused it to fall into a gorge.

The bus was heading from Shiv Khori, a shrine dedicated to Lord Shiva, to the town of Katra.

Source: Indian Express, PTI

सबने उस बोझ को महसूस किया है, यह जानते हुए कि हमारे सैनिक कहीं दूर, उन ऊंचे पहाड़ों में जागते हुए हमारी रक्षा कर रहे हैं। यह सिर्फ हिम्मत नहीं, बल्कि असली बलिदान है।" आलिया ने अपने पोस्ट में आगे लिखा, "जब हममें से ज्यादातर लोग अपने घरों में चैन की नींद सो रहे होते हैं, तब कुछ वीर युवतियां और पुरुष अंधेरे में खड़े रहते हैं, हमारी नींद की हिफाजत करते हुए। अपनी जान की परवाह किए बिना। यह सच्चाई भीतर तक झकझोर देती है। हर वर्दी के पीछे एक मां होती है, जो खुद सारी रात जागती है। एक मां, जिसे मालूम है कि उसका बच्चा आज रात किसी लोरी में नहीं, बल्कि डर, तनाव और सन्नाटे के बीच है। रविवार को हम सबने मदर्स डे मनाया। जब लोग फूलों के गुलदस्ते दे रहे थे, गले मिल रहे थे, तब मेरा दिल उन माताओं की ओर चला गया, जिन्होंने देश के लिए असली हीरो पैदा किए। हम उन जिंदगियों का शोक मना रहे हैं, जो कभी वापस नहीं लौटेंगी, वे सैनिक, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी। आज हम सब एकजुट हैं। अपने सैनिकों के लिए, अपने देश के लिए। भगवान उनके परिवारों को संबल और शक्ति दें। जय हिंद।" अगर वर्क फ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट को आखिरी बार फिल्म 'जिगरा' में वेदांग रैना के साथ देखा गया था, हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। अब आलिया अपनी अगली फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी, जिसमें वह एक अलग अवतार में दर्शकों का मनोरंजन करेंगी। इसके अलावा वह रणबीर कपूर और विक्की कौशल के साथ संजय लीला भंसाली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'लव एंड वॉर' में भी दिखाई देंगी।

घबराई और उलझी सी थीं अनन्या, कुछ ऐसी थी फिल्मी शुरुआत!

अनन्या पांडे बॉलीवुड की उभरती हुई अभिनेत्रियों में से एक हैं। उन्होंने फिल्ममेकर करण जौहर की स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के साथ अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी, यह फिल्म 10 मई 2019 को रिलीज हुई थी। अनन्या पिछले 6 साल से हिंदी सिनेमा पर राज कर रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि जब उन्होंने शुरुआत की थी, तब वह नर्वस थीं और खुद को लेकर असमंजस में थीं, लेकिन अब उन्हें कुछ नया आजमाने या जोखिम लेने से डर नहीं लगता। अनन्या ने कहा, मैं जब शुरू कर रही थी, तब मेरी उम्र 19 साल थी। मैं बहुत घबराई हुई थी, सपनों से भरी हुई थी और खुद को पहचानने की कोशिश कर रही थी। मैं यह समझने की कोशिश कर रही थी कि मैं कौन हूं, अपने व्यक्तित्व और करियर को लेकर थोड़ी उलझन में थी। एक्ट्रेस ने आगे कहा, अब, मुझे लगता है कि मैं खुद के एक ऐसे रूप में ढाल चुकी हूं जो कोशिश करने से, गिरने से, फिर उठने से और लोगों को चौंकाने से नहीं डरती। मैं अब भी सीख रही हूं। खुद को लगातार बेहतर बनाने की कोशिश कर रही हूं। उन्होंने कहा, मेरे पास हर सवाल का जवाब नहीं है, लेकिन मुझे पता है कि मैं खुद को बेहतर बनाते रहना चाहती हूं और ऐसे किरदार चुनना चाहती हूं जो मुझे चुनौती दें, मेरे भीतर उत्साह और घबराहट का एहसास जगाएं। स्टूडेंट ऑफ़ द ईयर 2 का निर्देशन पुनीत मल्होत्रा ने किया। इस फिल्म में अनन्या पांडे के अलावा टाइगर श्रॉफ और तारा सुतारिया भी हैं। इन दोनों एक्टर्स ने भी इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। यह फिल्म 2012 में आई रोमांटिक कॉमेडी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर का सीक्वल है, जिसके जरिए आलिया भट्ट, वरुण धवन और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के बाद वह पति पत्नी और वो, खाली पीली, गहराइयां, लाइगर, ड्रीम गर्ल 2, खो गए हम कहां, जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में कैमियो भी किया। फिल्मों के अलावा, उन्होंने सीरीज कॉल मी बे के जरिए ओटीटी भी कर चुकी हैं।

Important decision of the High Court, dismissal from job without investigation is like 'death sentence'

Jaipur : The Rajasthan High Court has made an important remark that dismissal from a job is like a 'death sentence' for an employee. The court stressed that no one can be fired from a job by merely issuing a show cause notice, but it is mandatory to follow a proper investigation process for this. This remark was made during the hearing on a petition filed against the dismissal of a government employee from the job. According to a Live Law report, a bench of Justice Vineet Kumar Mathur directed the reinstatement of a physical training instructor (PTI) who was dismissed without a charge sheet or disciplinary inquiry. The court clarified that the order of dismissal from service is a serious step and it should be passed only after a completely fair and proper investigation to protect innocent persons from being punished. What is the whole matter? In fact, the petitioner PTI was dismissed from service on the basis of a mere show cause notice, accusing him of obtaining the job fraudulently. The trainer had argued in his petition that he was fired from the job without issuing any charge sheet or conducting any disciplinary inquiry, which is a violation of the principles of natural justice. The petitioner was appointed in the year 2023 and a show cause notice was issued to him in 2024. The state government did not find the reply given by the petitioner satisfactory and issued an order to terminate his services. The petitioner argued in the court that all the documents submitted by him during the recruitment process were genuine and he had not committed any

forgery. It was also said that the procedure prescribed under the Rajasthan Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules was not followed to take action against the petitioner.

On the contrary, the state government argued that discrepancies were found in the documents submitted by the petitioner and in the preliminary investigation it was found that the job was obtained fraudulently. After hearing the arguments of both the sides, the court emphasised that no chargesheet was issued against the petitioner before termination of service and no disciplinary enquiry was initiated. The harsh step of termination was taken only on the basis of a show cause notice. "Considering the facts and circumstances of the present case, the order of termination is like a death sentence. Therefore, it should be passed after proper enquiry to save an innocent person from being punished," the court said. The court further said, "In the opinion of this Court, the procedure adopted by the respondents (state government) is not correct. Without any enquiry, the respondents have come to the conclusion that the appointment obtained by the petitioner is on the basis of forged documents. Merely conducting a one-sided enquiry by the respondents and finding the fact that some documents have been submitted fraudulently by the petitioner while obtaining the job is not the correct method adopted by the respondents to terminate the services of the petitioner." The court also highlighted that in other similar cases, the coordination bench had directed to constitute a committee to consider and the services of those petitioners were retained. Whereas in the present case the services of the petitioner were terminated, which shows discrimination against him. With these comments, the court cancelled the order of termination of service and directed the state government to reinstate the petitioner to the job. This decision is being considered an important step towards procedural justice and protection of the rights of employees in government jobs.

Greater Noida: 603 mobile phones worth Rs 2.50 crore recovered, three arrested including the driver of the company

Greater Noida: May 13 (RNS). The Knowledge Park police station of Greater Noida has achieved a major success and busted a gang of mobile phone thieves. The police arrested three accused and recovered 603 mobile phones worth about Rs 2 crore 50 lakh and a pistol from their possession.According to the information, the theft was committed on April 8 last month from a container carrying Vivo company's mobile phones. The accused cleverly broke the seal of the truck and transferred the cartons of mobile phones to another truck and after sealing it again, left the truck at the delivery point and fled. After this incident came to light, the company complained about this incident to the police, after which the police started investigating the matter with the help of electronic surveillance and CCTV footage. The police raided near Jhatta railway underpass and arrested the three accused. The arrested accused also include the truck driver of Vivo company. The arrested accused were identified as Arvind Dubey, a resident of Farrukhabad, Abhishek Chauhan, a resident of Kotwali Dehat police station area of Etah district and Simran Sethi, a resident of Shyam Nagar Extension of Tilak Nagar police station area of New Delhi. According to the police, the accused were trying to sell the stolen mobile phones in Nepal and Bangladesh. According to the police, 603 Vivo mobile phones have been recovered. The estimated price of the recovered mobile is Rs 2.50 crore. At present, the police is continuously raiding to recover the remaining stolen mobiles. This action was taken by the Knowledge Park police station.

Started considering the innocent son as 'white jinn's child', mother committed a big crime after getting influenced by the words of the Tantrik

Faridabad: A heart-wrenching case has come to light in Faridabad adjacent to Delhi. Here a woman living in Sainik Colony, under the influence of a Tantrik, threw her two-year-old innocent son into the Agra Canal on Sunday night. It is being told that the woman started considering her son as 'white jinn's child' on the advice of the Tantrik. This incident happened near the BPTP bridge on Sunday night, where the local people saw the woman throwing the child into the canal. People immediately caught the woman and informed the police. The police reached the spot and took the woman into custody. According to initial information, while being caught, the woman kept denying throwing the child into the canal. The police and administration have launched a massive operation to search for the child. A team of fire department, State Disaster Management Force (SDRF), police and local divers are searching for the child in the Agra canal. The woman's husband Kapil Lukra, while filing a complaint with the police, said that he was married to Megha Lukra about 16 years ago and they have two children - 14-year-old daughter Manya and about two-year-old son Tanmay alias Ronik. He told that his wife Megha was in contact with a Tantrik named Mita Bhatia for a long time. According to Kapil Lukra, Tantrik Mita Bhatia used to provoke his wife by calling son Tanmay 'white jinn's child'. The Tantrik had told Megha that this child would destroy their entire family. Megha was mentally disturbed because of these things and was under stress thinking that her son was the 'son of a white jinn'. On Sunday evening around 5 pm, Megha left the house with her son Tanmay without telling anyone. Her husband started looking for her. At around 9 pm, the police informed Kapil that a woman named Megha has been detained and she is accused of throwing her son into the canal. Hearing this, Kapil reached the BPTP police station in a panic.Local people told the police that they saw a woman trying to throw a child in her lap into the canal on the BPTP bridge. They tried to stop the woman by making noise, but by the time they reached, the woman had thrown the child into the canal. People immediately caught the woman and informed the police by calling on Dial-112. According to the SHO of BPTP police station, on the complaint of Kapil Lukra, a case has been registered against his wife Megha Lukra and Tantrik Mita Bhatia who instigated her under murder and other related sections. The police is interrogating Megha Lukra who has been taken into custody. At the same time, police teams are continuously raiding in search of absconding Tantrik Mita Bhatia. Police is investigating every aspect of this heinous incident in depth.

14 people died after drinking poisonous liquor in Amritsar: Shru Mann and Kejriwal said - the culprits will not be spared

Amritsar: Punjab Chief Minister Bhagwant Mann and Aam Aadmi Party (AAP) national convenor Arvind Kejriwal expressed grief over the death of 14 people after drinking poisonous liquor in Majitha, Amritsar, Punjab. The Punjab Chief Minister said that the culprits will be given the strictest punishment according to the law. Punjab CM Bhagwant Mann wrote on 'X', Sad news has been received about the death of many people due to drinking poisonous liquor in the villages around Majitha. These killers of innocent people will not be spared at any cost. These are not deaths, but murders. These culprits who created an atmosphere of mourning in people's homes with poisonous liquor will be given the strictest punishment according to the law. He further said, I pray to God for the peace of the departed souls. The Punjab government stands with the victim families and every possible help will be provided. Aam Aadmi Party (AAP) national convenor Arvind Kejriwal wrote on 'X', many people have died due to consumption of poisonous liquor in Majitha. Whoever is involved in this, no matter how influential or how big, will not be spared. They will get the harshest punishment. May God give strength to the families of those who have died tragically. May their souls rest in peace. Meanwhile, Amritsar Deputy Commissioner Sakshi Sahni, while talking to the media, said, the administration has reviewed the deaths due to consumption of poisonous liquor in five villages of Majitha assembly constituency, where about 14 people have died and about six others are undergoing treatment in hospitals. We are going door to door and urging people to get medical checkup done, as the effect of this liquor can last for 24 to 48 hours and many people may still be in danger. He said, we have also arrested the accused involved in this liquor case. We appeal to the public to not purchase or consume such substances online and to be cautious. At least 14 people died after consuming poisonous liquor in Majitha, Amritsar. In this case, Punjab Police has arrested several people including the main accused Prabhjit Singh. The main accused Prabhjit Singh, the mastermind of the fake liquor case in Majitha, has been arrested. Apart from this, Kulbir Singh alias Jaggu (brother of main accused Prabhjit), Sahib Singh alias Sarai, resident Mardi Kalan, Gurjant Singh and Ninder Kaur wife Jeeta, resident of Therenwal have been arrested. The SSP of Amritsar Rural has confirmed these arrests.

Women seen hanging on the footboard of Mumbai local train, shouted - 'I am losing my hand

Mumbai: The security system of the local train, called the 'lifeline' of Mumbai, has once again come under question. A very sizzling video went viral on social media.The video is going viral, in which some women are seen hanging from the gate and footboard of a moving train, risking their lives. This video shows the horrific condition of passengers traveling in Mumbai local train. It can be clearly seen in the viral video that there is a huge crowd inside the train and women are hanging outside. Some women are screaming for help. A woman can be heard saying, "My hand is slipping, come inside." But the crowd is so much that it does not seem possible to go inside. Another girl is trying to escape from the camera. It is beingtold that this video is of the Ladies Special train running from Kalyan, which was running 40 minutes late that day. Due to the delay in the train, a huge crowd of passengers had gathered on the platform,

due to which this deadly pushing and crowd was seen when the train arrived. After this horrific video surfaced, people on social media are constantly asking questions to the railway administration and Railway Minister Ashwini Vaishnav about the security arrangements. This is the situation when the number of deaths due to crowd or falling in Mumbai's local trains has been quite worrying. According to media reports, the number of people who died due to falling due to crowd in 2024 was 2468. Despite this, questions are being raised on not taking concrete steps for the safety of passengers.

After Operation Sindoor, PM Modi reached Adampur Airbase and boosted the morale of the soldiers, see pictures here

New Delhi: After 'Operation Sindoor', Prime Minister Narendra Modi reached Adampur Airbase in Punjab on Tuesday and met and interacted with Air Force officers and brave soldiers. PM Modi reached Adampur Airbase on Tuesday morning. PM Modi also shared pictures and information of this meeting on his official 'X' handle. He wrote in the post, this morning I went to AFS Adampur and met our brave air warriors and soldiers. It was a very special experience to be with people who symbolize courage, determination and fearlessness. India will always be grateful to our armed forces, because they do everything for our country.Many pictures of PM Modi's conversation with Air Force personnel have also surfaced. In the photo, it can be seen that PM Modi is seen encouraging the army

personnel. The special thing is that in one photo, a picture of an Indian fighter plane is also seen behind PM Modi, above it is written - Why are enemy pilots unable to sleep properly? Earlier, PM Modi had clarified India's tough stand against terrorism while addressing the country for the first time after Operation Sindoor at 8 pm on Monday. In his 'Address to the Nation', Prime Minister Narendra Modi emphasized that 'Operation Sindoor' has drawn a new line in the fight against terror. He said that a new line has been drawn in the fight against terror, a new standard, a new normal has been set. PM Modi said that the first standard is that if there is a terrorist attack on India, a befitting reply will be given. We will respond in our own way, on our own terms. We will take strict action at every place from where the roots of terror emerge. The second standard is that India will not tolerate any nuclear blackmail. India will strike precisely and decisively on the terrorist bases flourishing under the guise of nuclear blackmail. The Prime Minister said that our third standard is that we will not see the government that patronizes terror and the masters of terror separately. During 'Operation Sindoor', the world has once again seen the ugly truth of Pakistan, when top officials of the Pakistani army thronged to bid farewell to the slain terrorists. This is a big proof of state-sponsored terrorism. We will continue to take decisive steps to protect India and our citizens from any threat. He also said that we have defeated Pakistan every time in the battlefield. And this time Operation Sindoor has added a new dimension. We have brilliantly demonstrated our capabilities in deserts and mountains, and also proved our superiority in new age warfare. During this operation, the authenticity of our 'Made in India' weapons was proved. Today the world is seeing that the time has come for 'Made in India' defense equipment in 21st century warfare.

Virat Kohli reached Premanand Maharaj to seek blessings after retiring from Test cricket, wife Anushka also accompanied

Vrindavan: A day after announcing his retirement from Test cricket, India's legendary batsman Virat Kohli was seen in Vrindavan with his wife Anushka Sharma on Tuesday. A video of him visiting the holy city where Lord Krishna spent his childhood went viral on social media. In Vrindavan, Virat and Anushka met Saint Premanand Govind Sharan and sought his blessings. Kohli on Monday took to Instagram to end his illustrious 14-year Test career in which he scored 9,230 runs in 123 matches, including 30 centuries and 31 fifties. The couple was spotted visiting several temples over the years. In January this year, Virat, Anushka Sharma and their children visited Vrindavan

to seek the blessings of Premanand Ji Maharaj, pictures of which went viral on social media. In 2023, the couple visited the Mahakaleshwar Temple in Ujjain. Earlier, the two made a spiritual trip to Neem Karoli Baba Ashram, Kainchi Dham in Uttarakhand. Virat's Test retirement decision comes after it was reported that Kohli has informed the Board of Control for Cricket in India (BCCI) about his decision ahead of the five-match Test series against England next month. Kohli, who made his Test debut in 2011, has been the cornerstone of India's red-ball resurgence over the past decade. His aggressive captaincy, brilliant batting and unmatched intensity have helped transform India into a formidable Test team both at home and abroad. He retired as the fourth most successful Test captain with 40 wins overall, behind Graeme Smith (53 wins), Ricky Ponting (48 wins) and Steve Waugh (41 wins). Kohli's 30 Test centuries make him the fourth most successful Indian batsman behind Sachin Tendulkar (51 centuries), Rahul Dravid (36) and Sunil Gavaskar (34). Kohli also scored seven Test double centuries, the most ever by an Indian. He also has the most Test centuries by an Indian captain, while Gavaskar (11 centuries) is far behind with his 20 centuries. The right-handed batsman announced his retirement from the T20I format after India's T20 World Cup win last year. The 36-year-old Kohli will now play only in ODIs for India.

Schools in four districts of Punjab bordering Pakistan still closed

Chandigarh: Even after the declaration of Indo-Pak ceasefire, schools in four districts of Punjab bordering Pakistan are still closed. A senior government official said that except Gurdaspur, schools will remain closed on Tuesday as a precautionary measure in these districts of Punjab bordering Pakistan. Soon after Prime Minister Narendra Modi's address on Monday, authorities in Amritsar, Pathankot, Jalandhar and Hoshiarpur appealed to people to avoid going out unless necessary and imposed a partial blackout after receiving instructions from army officials. In Jalandhar, a surveillance drone was shot down by the armed forces on Monday evening. " I have been told that a surveillance drone was shot down by the armed forces around 9.20 pm near Mand village. A team of experts is searching for the debris," Jalandhar Deputy Commissioner Himanshu Aggarwal

said. Aggarwal later said there was no drone activity in Jalandhar after 10 pm. In a message at 10.45 pm, he advised people not to go near the debris and immediately inform the nearest police station. Hoshiarpur Deputy Commissioner Ashika Jain confirmed hearing some explosions in Dasuya area and then announced a partial blackout after receiving instructions from army officials. He said a blackout was imposed in Dasuya and Mukeria areas based on information received from the armed forces. Normal activity was seen in the border district Amritsar but an alert was issued and a blackout was also imposed for a few hours on Monday. Sources said an IndiGo flight from Delhi to Amritsar was diverted after drone activity was seen in other parts of the state. Early in the morning, Amritsar Deputy Commissioner Sakshi Sahni wrote on 'X', "Now you may hear a small siren - indicating that the alert is over and we can resume our normal activities. Thank you for your cooperation."Pathankot district also remained on alert as drones were reportedly seen in the Bamiyal area located on the Indo-Pak border. In his address to the nation, Prime Minister Narendra Modi strongly criticised Islamabad for cross-border terrorism and said that 'talks and terror', 'blood and water' cannot go together.